देहरादून,पौड़ी-गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित

www.page3news.in

नगर संस्करण वर्ष 19 अंक: 104 पृष्ठ : 8 मूल्य: एक रूपए

विचार-प्रवाह...
इमरान की
लोकप्रियता

पेज थ्री

देहरादून, गुरूवार, 25 जुलाई 2024

मौसम अधिकतम 29.0° न्यूनतम 26.0°

79924.77

2 काठमांडू में हुआ बड़ा विमान हादसा

7 सूर्यकुमार यादव है बॉलिंग कप्तान

गलत धारणा फैलाने की कोशिश कर रहा विपक्ष

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वित्त मंत्री ने बजट को भेदभावपूर्ण बताने पर दिया करारा जवाब

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को बजट को भेदभावपूर्ण बताने के विपक्ष के दावे पर करारा जवाब दिया। वित्त मंत्री ने कहा कि यह एक अपमानजनक आरोप है। उन्होंने कहा कि ऐसे आरोप विपक्षी दलों की ओर से जानबूझकर लगाए जा रहे हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि कांग्रेस की अगुवाई में ऐसा इसलिए किया जा रहा है ताकि लोगों के बीच यह गलत धारणा फैलाई जा सके कि उनके राज्यों को धन या योजनाएं आवंटित नहीं की गईं।

बुधवार को राज्यसभा विपक्ष ने आरोप लगाया कि बजट के साथ भेदभाव किया गया है। इसके जवाब में वित्त मंत्री ने कहा कि बजट में सभी राज्यों का नाम लेना संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर बजट भाषण में किसी राज्य का नाम नहीं लिया जाता है तो इसका मतलब यह नहीं हुआ कि उस राज्य के साथ भेदभाव किया जा रहा है। वित्त मंत्री ने विपक्ष पर झूठ फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्ष ने झूठ फैलाया है कि हमारे राज्यों को कुछ नहीं दिया गया। उन्होंने इसे अपमानजनक आरोप बताया। हालांकि इसके बाद विपक्ष के नेता सदन से बाहर चले गए।

सीतारमण ने कहा, मैं जिम्मेदारी के साथ कह रही हूं कि यह कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्षी दलों का एक जानबूझकर किया गया प्रयास है ताकि लोगों के मन में गलत धारणा बने कि उनके राज्यों को धन या योजनाएं आवंटित नहीं की गईं। कांग्रेस को चुनौती देते हुए वित्त मंत्री ने कहा, मैं कांग्रेस पार्टी को चुनौती दूंगी कि उन्होंने जो भी बजट भाषण दिए हैं, क्या उन्होंने अपने प्रत्येक बजट भाषण में देश के प्रत्येक राज्य का नाम लिया है? यह एक अपमानजनक आरोप है। कांग्रेस ने इतने सारे बजट पेश किए हैं कि उन्हें स्पष्ट रूप से पता होगा कि हर बजट में आपको इस देश के हर राज्य का नाम लेने का मौका नहीं मिलता है।

चर्चा के दौरान मल्लिकार्जुन खड़गे ने सभापति से कहा– माताजी (निर्मला सीतारमण) बोलने में एक्सपर्ट हैं। इस पर सभापति जगदीप धनखड़ बोले– वो माताजी नहीं, आपकी बेटी की उम्र के बराबर हैं।

पांच राज्यों को होगा फायदा

पूर्वोदय योजना का जिक्र करते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि पूर्वी भाग के राज्य प्राकृतिक संपदाओं से समृद्ध हैं और इनकी सांस्कृतिक परंपराएं भी मजबूत हैं। निर्मला ने आगे कहा कि बिहार, झारखंड, बंगाल, ओडिशा और आंध्र प्रदेश के विकास के लिए पूर्वोदय योजना तैयार की जा रही है। पूर्वोदय योजना में मानव संसाधन विकास, अवसंरचना और आर्थिक अवसर तैयार करना शामिल है, जिससे देश का पूर्वी भाग विकसित भारत के क्षेत्र के लक्ष्य को हासिल करने में अहम भूमिका निभाएं।

भारत सरकार की योजनाएं सभी राज्यों तक पहुंचतीं हैं

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, और मैं इतने सारे अलग-अलग राज्यों का नाम ले सकती हूं जिनके पास कई प्रमुख परियोजनाएं हैं। अगर भाषण में किसी राज्य का नाम नहीं है तो क्या इसका मतलब यह है कि भारत सरकार की योजनाएं और कार्यक्रम, विश्व बैंक, एशियाई विकास बैंक, एआईबी आदि से मिलने वाली बाहरी सहायता इन राज्यों में नहीं जाती है? उन्होंने कहा, वे नियमित रूप से चलते हैं और सरकार के व्यय विवरण में, सरकार के विभागवार आवंटन में इन सभी बातों का जिक्र होता है।

वित्त मंत्री ने विपक्ष के आरोपों पर राज्यसभा में दिया जवाब

वित्त मंत्री ने कहा कि पेश किए गए पूर्ण बजट के बीच मैंने बहुत सारे राज्यों का नाम नहीं लिया। वित्त मंत्री ने प्रतिक्रिया विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे के उस दावे के बाद दी है जिसमें उन्होंने कहा था कि पेश किया गया बजट देश के राज्यों के प्रति भेदभावपूर्ण है। राज्य सभा में बोलते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि मल्लिकार्जुन खरगे ने बजट पर ऐसी बात कही है इसलिए मैं इसका जवाब दे रही हूं। उन्होंने कहा कि कैबिनेट नेमहाराष्ट्र के वडावन में बंदरगाह बनाने का फैसला किया था लेकिन कल बजट में महाराष्ट्र का नाम नहीं लिया गया। वित्त मंत्री ने विपक्ष से सवाल किया कि क्या इसका मतलब यह है कि महाराष्ट्र उपेक्षित महसूस करे?

संक्षिप्त समाचार

परीक्षा प्रक्रिया को फ्रॉड बताने पर माफी मांगें राहुल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। लोकसभा में बहस के दौरान नीट को फ्राड बताने पर भाजपा ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से माफी मांगने को कहा है। भाजपा के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में साफ कर दिया है कि नीट का पेपर व्यवस्थित तरीके से लीक नहीं हुआ है। पटना और हजारीबाग में लीक हुआ पेपर कुल 155 प्रतिभागियों तक पहुंचा था, जिनके खिलाफ कार्रवाई की जा चुकी है और उन्हें आगे परीक्षा में बैठने पर रोक लगा दी गई है।

प्रधानमंत्री मोदी को स्टालिन की चेतावनी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सख्त लहजों में चेतावनी दी कि अगर वह शासन पर ध्यान देने के बजाय विपक्षी दलों और नेताओं को निशाना बनाना जारी रखते हैं तो वो दिन दूर नहीं जब वो अलग-थलग हो जाएंगे।

संसद में विपक्ष बोला ये सरकार बचाओ बजट

बजट के खिलाफ इंडिया ब्लॉक के सांसदों ने किया विरोध प्रदर्शन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। बुधवार को सुबह सदन शुरू होने से पहले विपक्ष के नेताओं ने संसद के बाहर केंद्र सरकार के बजट के विरोध में प्रदर्शन किया। इंडिया ब्लॉक के नेताओं ने कहा– इस बजट से 90 प्रतिशत देश गायब है। सिर्फ बिहार और आंध्र प्रदेश को खुश किया गया है, क्योंकि यहां के मुख्यमंत्रियों के भरोसे केंद्र की सरकार चल रही है। यह मोदी सरकार बचाओ बजट है।

लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही शुरू होने के बाद सदन में भी बजट को लेकर हंगामा हुआ। प्रश्नकाल में राज्यसभा में चर्चा के दौरान विपक्ष के नेताओं ने वॉकआउट किया। वे वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के खिलाफ शेम-शेम का नारा लगाते हुए सदन से बाहर चले गए। बजट को विपक्ष ने भेदभावपूर्ण बताया है और बुधवार को संसद भवन परिसर में बजट के खिलाफ विरोध प्रदर्शन भी किया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी समेत इंडी ब्लॉक के सांसदों ने केंद्रीय बजट में विपक्ष शासित राज्यों के साथ कथित भेदभाव को लेकर बुधवार को संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन किया।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा, समर्थन मूल्य किसान को ना देकर गठबंधन के साथियों को दे रहे हैं। उत्तर प्रदेश को बड़े सपने दिखाए थे, क्या मिला उत्तर प्रदेश को? डबल इंजन की सरकार है तो डबल लाभ मिलना चाहिए था, दिल्ली का लाभ लखनऊ का लाभ लेकिन लगता है कि दिल्ली अब लखनऊ की ओर नहीं देख रही है या लखनऊ वालों ने दिल्ली वालों को नाराज कर दिया और इसका परिणाम बजट में दिखाई दे रहा है।

खरगे ने बजट को बताया अन्याय

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, यह अन्याय है। हम इसका विरोध करेंगे। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, यह अन्याय है। हम इसका विरोध करेंगे। वहीं कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा, यह बजट भारत सरकार के बजट जैसा नहीं लगता। इस बजट में संघीय ढांचे को तोड़ा गया है। विपक्षी दलों द्वारा शासित राज्य बजट से गायब हैं। यह सरकारी बजट नहीं बल्कि सरकार बचाओ बजट है।

'स्लम फ्री उत्तराखण्ड' विजन के साथ कार्य करने की नसीहत

संवाददाता

देहरादून। मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने सभी जिलाधिकारियों को मलिन बस्तियों का चिन्हीकरण कर 15 दिन में रिपोर्ट शासन को प्रेषित करने की डेडलाइन दी है। इसके साथ सीएस ने जिलाधिकारियों से नगर निगमों के तहत कार्य करने वाले सफाई कर्मचारियों की आवासीय व्यवस्था की रिपोर्ट भी तलब की है। मुख्य सचिव ने निर्माण स्थलों पर कार्य करने वाले प्रवासी श्रमिकों की आवासीय व्यवस्था की रिपोर्ट भी प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

सचिवालय में शहरी विकास की राज्य स्तरीय अनुश्रवण समिति की बैठक में मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने अधिकारियों को ''स्लम फ्री उत्तराखण्ड'' विजन के साथ कार्य करने की नसीहत दी है। मुख्य सचिव ने जिलाधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि आगामी 15 दिनों से पहले जनपदों में अवस्थित मलिन बस्तियों के श्रेणीवार चिन्हांकन कर उनकी सूची शासन को प्राथमिकता के आधार पर भेज दी जाए। इसके बाद राज्य में अवस्थित मलिन बस्तियों में निवासरत परिवारों के जीवन स्तर में सुधार, मलिन बस्तियों के विनियमितीकरण, पुनरूद्धार पुनर्वास की कार्ययोजना पर कार्य किया जाएगा।

मुख्य सचिव ने विशेषरूप से जनपद टिहरी, रूद्रप्रयाग, चमोली, पौड़ी उधमसिंहनगर और चम्पावत के जिलाधिकारियों से और समय न लेते हुए यथाशीघ्र मलिन बस्तियों की वांछित सूचना उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं, जिससे एक व्यापक कार्ययोजना तैयार करते हुए प्रभावितों को पीएम आवास योजना या राज्य में प्रचलित अन्य उपयोगी एवं कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रदान करते हुए मलिन बस्तियों के निवासियों का पुनर्वासन एवं पुनर्व्यस्थापन किया जा सके।

निर्देश

■मलिन बस्तियों के चिन्हीकरण की रिपोर्ट 15 दिनों में शासन को भेजेंगे सभी जिलाधिकारी–सीएस

Are you Planning to make a Website or already have ?
If yes, then we are here to serve you
What we do
Website Development
All type of Websites E-Commerce, Hotel Booking, Travel, Bus Ticket Booking, News Portal, Blogs, or as per client requirement.
Promotion & Branding
1. Website Promotion & Branding in any country (200+ Countries)
2. Social Media
3. Bulk SMS
Search Engine Optimisation
A-Z Work to make a Website Search Engine Friendly.
You tell us, we do it.
Contact:
Gadoli Media Ventures
Shivam Market, 2nd Floor, Darshan Lal Chowk, Dehra Dun. | Mob: 9319700701, 7579011930
E-Mail: contact@gadoli.in

हम एमएसपी के लिए सरकार पर डालेंगे दबाव

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। बुधवार को संसद के बाहर जमकर शोर-शराबा देखा गया। दरअसल, लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने किसान नेताओं को संसद में अपने कार्यालय में मिलने के लिए बुलाया था। मगर बवाल तब हो गया, जब किसानों को संसद के अंदर नहीं आने दिया। हालांकि, हंगामे और विरोध के बाद

हंगामे के बाद संसद में किसानों से मिले राहुल

किसान नेताओं के 12 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने लोकसभा प्रतिपक्ष नेता से मुलाकात की।

मुलाकात से कुछ देर पहले राहुल ने किसानों को संसद के अंदर नहीं आने देने का आरोप लगाया था। हालांकि, कुछ देर बाद किसानों को अंदर जाने की इजाजत मिल गई। किसान नेताओं से मुलाकात के बाद राहुल गांधी ने कहा, हमने अपने घोषणापत्र में कानूनी गारंटी के साथ एमएसपी का जिक्र किया है। हमने आकलन किया है,इसे लागू किया जा सकता है। हमने एक बैठक की, जिसमें तय किया गया कि हम विपक्षी गठबंधन के दूसरे नेताओं से बात करेंगे और सरकार पर दबाव डालेंगे कि देश के किसानों को एमएसपी की कानूनी गारंटी दी जाए।

न्यूज डायरी

लाइव शो के दौरान अपने फैन से मिला गले, करंट लगने से हुई मौत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। ब्राजील के सैलिनोपोलिस के सोलर होटल से एक सिंगर को करंट लगने का मामला सामने आया है। दरअसल 13 जुलाई को एक लाइव कॉन्सर्ट के दौरान 36 साल के आयरेस सासाकी को बिजली का करंट लगा, इस वजह से उसकी मौत हो गई। इंडिपेंडेंट की एक रिपोर्ट के मुताबिक, कॉन्सर्ट के दौरान काफी लोग इकट्ठा हुए थे। तभी उनका एक फैन उनसे मिलने स्टेज पर आया। लेकिन सासाकी का उनके फैन से मिलना भारी पड़ गया। बता दें कि जब सासाकी से उनका फैन उनसे मिलने स्टेज पर आया तब वो पूरी तरह से भीगा हुआ था, उनके छूने से सिंगर को करंट लगा और उनकी मौत हो गई। सैलिनोपोलिस पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। ब्राजीलियाई मीडिया आउटलेट डियारियो डो पारा की एक रिपोर्ट के अनुसार, सासाकी को गिटार बजाते समय करंट लग गया था, जबकि अधिकतर रिपोर्ट्स से संकेत मिलता है कि फैन को गले लगाने के बाद उनकी मृत्यु हो गई। सिंगिंग के अलावा सासाकी ने एक शहरी योजनाकार के रूप में भी काम किया। उनके परिवार में उनकी पत्नी हैं। इस कपल की शादी 11 महीने पहले हुई थी। सोलर होटल ने इंस्टाग्राम पर एक बयान साझा किया और कहा कि वे जांच में सहयोग कर रहे हैं, होटल सोलर को प्रिय आयरेस सासाकी के निधन पर गहरा अफसोस है। उन्होंने अपने बयान में कहा, वे इस कठिन समय में हमारे विचार और संवेदनाएं आयरेस सासाकी के परिवार और दोस्तों के साथ हैं।

बांग्लादेश के मोंगला पोर्ट पर भारत ने हासिल किया अधिकार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) ढाका। बांग्लादेश में अपना असर बढ़ाने में जुटे चीन को भारत ने अपनी एक चाल से करारी मात दे दी है। भारत ने बांग्लादेश के मोंगला बंदरगाह के एक टर्मिनल पर संचालन का अधिकार हासिल कर लिया है। हिंद महासागर और बांग्लादेश में चीन के बढ़ते प्रभाव के बीच विश्लेषक इसे भारत की रणनीतिक जीत बता रहे हैं। भारत ने हाल के दिनों में वैश्विक समुद्री दौड़ में चीन का मुकाबला करने के लिए विदेशी बंदरगाहों पर नियंत्रण हासिल करने के लिए प्रयास तेज कर दिए हैं। मोंगला बंदरगाह पर भारत की पहुंच इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह चटगांव के बाद बांग्लादेश का दूसरा सबसे बड़ा बंदरगाह है। मोंगला पोर्ट के सौदे का विवरण अभी सार्वजनिक नहीं किया गया है। हाल के वर्षों में ये तीसरा बंदरगाह है, जिसके संचालन का अधिकार भारत को हासिल हुआ है। इसके पहले भारत ने ईरान के चाबहार और म्यांमार के सिटवे बंदरगार पर परिचालन का अधिकार हासिल किया है। इनमें से चाबहार बंदरगाह का पूरा विकास ही भारत ने किया है। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, बोंगला पोर्ट के टर्मिनल का संचालन इंडियन पोर्ट ग्लोबल लिमिटेड के माध्यम से किया जाएगा। उन्होंने चीन का उदाहरण देते हुए बताया कि 63 देशों में 100 से अधिक बंदरगाहों में उसका स्पष्ट निवेश है।

नासा ने सुनीता विलियम्स की वापसी के बारे में दिया अपडेट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। डेढ़ महीने से अंतरिक्ष में फंसी नासा की एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स के बारे में अच्छी खबर आई है। नासा और बोइंग के इंजीनियर ने स्टारलाइनर स्पेसशिप के थ्रस्टर के परीक्षण का काम पूरा कर लिया है। स्पेसशिप की वापसी की योजना बनाने के लिए नासा और बोइंग इन परीक्षणों के पूरा होने का इंतजार कर रहे थे। पिछले सप्ताह के अंत में जारी एक अपडेट में कहा गया कि श्न्यू मैक्सिको में व्हाइट सैंड्स टेस्ट फैसिलिटी में स्टारलाइनर रिएक्शन कंट्रोल सिस्टम थ्रस्टर का ग्राउंड परीक्षण पूरा हो गया है और अब टीमें डेटा समीक्षा पर अपना ध्यान केंद्रित कर रही हैं। सुनीता विलियम्स और बैरी विल्मोर बीते महीने 5 जून को स्टारलाइनर अंतरिक्ष यान में बैठकर अंतरिक्ष में गए थे। दोनों को एक सप्ताह तक अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में काम को पूरा करके पृथ्वी पर वापसी करनी थी। लेकिन लॉन्च के बाद स्टारलाइनर में हीलियम लीक और थ्रस्टर में खराबी का पता चला था, जिसके बाद उनकी वापसी को कई बार टाला जा चुका है। दोनों पिछले डेढ़ महीने से स्पेस स्टेशन पर रुके हुए हैं। इंजीनियर स्पेसक्राफ्ट में समस्या को ठीक करके उसे वापसी के लिए तैयार करने में जुटे हुए थे।

नेपाल की राजधानी काठमांडू में हुआ बड़ा विमान हादसा

विमान में सवार थे एयरक्रू सहित 19 लोग, 18 कर्मचारियों की मौत

हादसा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

काठमांडू। नेपाल में बुधवार को उस समय एक विमान हादसे का शिकार हो गया, जब उड़ान भरते ही उसमें आग लग गई। आग लगने के बाद विमान जमीन पर गिरा और धू–धू कर जल उठा। नेपाल पुलिस ने बताया है कि ये विमान सौर्य एयरलाइन का था और इसमें इसी एयरलाइन के कुल 19 लोग सवार थे। हादसे के बाद 18 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। 18 शवों को निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा चुका है। सिर्फ प्लेन के कैप्टन को घटनास्थल से जिंदा निकाला गया है। कैप्टन का अस्पताल में इलाज चल रहा है। हादसे का शिकार हुए विमान के बारे में सामने आया है कि ये 21 साल पुराना था। नेपाल ने इसे कनाडा से खरीदा था।

काठमांडू पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, सौर्य एयरलाइंस का ये विमान बुधवार सुबह नेपाल की राजधानी काठमांडू में त्रिभुवन इंटरनेशनल एयरपोर्ट (टीआईए) पर 11 बजे दुर्घटनाग्रस्त हुआ, जब विमान में भीषण आग लग गई। बताया गया है कि उड़ान भरने के दौरान विमान रनवे पर फिसला था, जो आग लगने और हादसे की वजह बना। दुर्घटना के बाद विमान में आग लग गई और धुएं का गुबार आसमान में छा गया। ये प्लेन काठमांडू से पोखरा के लिए प्रस्थान कर रहा था।

विमान ने ये उड़ान टेस्ट के लिए भरी थी। परीक्षण उड़ान होने की वजह से इसमें कोई नियमित यात्री नहीं था बल्कि कंपनी के ही 19 कर्मचारी बैठे थे। एयरलाइन अपने कर्मचारियों और इंजीनियरों सहित 19 लोगों को विमान से पोखरा ले जा रही थी। दुर्घटना के बाद विमान में लगी आग को बुझाने के लिए अग्निशमन कर्मियों और सुरक्षा कर्मियों की एक टीम तैनात की गई। दमकलकर्मियों और पुलिस की टीम ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाने में कामयाबी हासिल की।

रानीपोखरी में काठमांडू घाटी पुलिस कार्यालय के प्रवक्ता एसएसपी दिनेश राज मैनाली ने कहा है कि 37 वर्षीय कैप्टन मनीष शाक्य को केएमसी अस्पताल ले जाया गया। बताया जा रहा है कि शाक्य की आंख में चोट लगी है। उड़ान भरने के दौरान हादसे का शिकार हुआ विमान 21 साल पुराना है। ये विमान बॉम्बार्डियर सीआरजे–200 है, जिसमें 50 यात्रियों के बैठने की क्षमता है। अप्रैल 2003 में कनाडाई कंपनी बॉम्बार्डियर से नेपाल के लिए खरीदा गया ये छठा विमान था।

नेपाल के नागरिक विमानन प्राधिकरण ने विमान में सवार 19 में से 18 लोगों के मौत की पुष्टि की है। विमान ने त्रिभुवन एयरपोर्ट से सुबह 11 बजकर 11 मिनट पर पोखरा के लिए उड़ान भरा था। जानकारी के मुताबिक, इस प्लेन क्रैश में पायलट कैप्टन एम आर शाक्य की जान बच गई है। फिलहाल उनका अस्पताल में इलाज चल रहा है।

अमेरिकी चुनाव में 5 दशक बाद पहली बार दिखेगा बदलाव

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने रविवार को कहा कि वह इस साल होने वाले चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार नहीं होंगे। बाइडन के राष्ट्रपति पद की रेस से हटने के ऐलान के साथ ही अमेरिका की राजनीति में एक बदलाव आना तय हो गया है। अमेरिका में बीते करीब पांच दशक से हर राष्ट्रपति चुनाव में तीन नाम जरूर शामिल रहे हैं। ये नाम हैं– बुश, क्लिंटन और बाइडन। 1976 के बाद हुए सभी इलेक्शन में ये नाम राष्ट्रपति या उपराष्ट्रपति पद के लिए मतपत्र पर दिखाई देते रहे हैं। ऐसा इस बार नहीं होने जा रहा है। अमेरिका में 1976 के चुनाव के बाद इन नामों की एंट्री बैलेट पर हुई थी। साल 1980 में हुए चुनाव में रोनाल्ड रीगन और जॉर्ज एच डब्ल्यू बुश चुनाव मैदान में थे। 1984 में भी ऐसा ही हुआ और इस चुनाव में रीगन प्रेसीडेंट और बुश उपराष्ट्रपति चुने गए।

इसके बाद साल 1988 के इलेक्शन में बुश राष्ट्रपति बन गए। 1992 में जॉर्ज एच डब्ल्यू बुश फिर से चुनाव मैदान में थे लेकिन वह बिल क्लिंटन से हार गए। बिल क्लिंटन 1996 में फिर लड़े और राष्ट्रपति चुने गए। इसके बाद भी बुश नाम राजनीति में छाया रहा। इसके बाद जॉर्ज डब्ल्यू बुश 2000 और 2004 में अमेरिका के राष्ट्रपति बने।

कमला हैरिस ने अपना पहला चुनाव अभियान किया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। जो बाइडन के राष्ट्रपति पद की रेस से बाहर होने के बाद अब डेमोक्रेटिक पार्टी से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला हैरिस हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद की संभावित उम्मीदवार बनने के एक दिन बाद उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने मंगलवार को अपनी पहली चुनावी रैली को संबोधित किया। चुनावी रैली को संबोधित करत हुए कमला ने रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि ट्रंप अरबपतियों और बड़ी कंपनियों के समर्थन पर निर्भर हैं, जबकि डेमोक्रेटिक पार्टी का अभियान जनता द्वारा संचालित है। 59 वर्षीय हैरिस ने विस्कॉन्सिन के मिल्वौकी में कहा कि डोनाल्ड ट्रंप अरबपतियों और बड़ी कंपनियों के समर्थन पर निर्भर हैं। वह अभियान के लिए चंदे के बदले में पहुंच का व्यापार कर रहे हैं।

तालिबान के खिलाफ पाकिस्तान की नई चाल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

■काबुल के खिलाफ चीन और ईरान को भड़काया

इस्लामाबाद। अफगानिस्तान की तालिबान सरकार के सामने लगातार फेल साबित हो रहे पाकिस्तान ने अब पड़ोसी चीन और ईरान को भी काबुल के खिलाफ भड़काना शुरू कर दिया है। कश्मीरी आतंकियों को पालने वाले पाकिस्तान ने कहा है कि अफगानिस्तान में मौजूद आतंकवादी न केवल पाकिस्तान बल्कि चीन और ईरान दोनों के लिए ही खतरा बन गए हैं। पाकिस्तान के अफगानिस्तान के लिए विशेष प्रतिनिधि राजदूत आसिफ दुर्रानी ने एक बार फिर से तालिबान से मांग की है कि वह अपनी जमीन पर आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई करे। दरअसल, पाकिस्तान चाहता है कि तालिबान टीटीपी आतंकियों के खिलाफ ऐक्शन ले जो लगातार पाकिस्तानी सैनिकों की हत्या कर रहे हैं। यही नहीं पाकिस्तान सैन्य अभियान चलाने का ऐलान कर चुका है।

दुर्रानी ने कहा, अफगानिस्तान से निकल रहे आतंकी न केवल पाकिस्तान बल्कि अन्य पड़ोसी देशों जैसे चीन, ईरान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान के लिए भी चिंता का विषय हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान अफगानिस्तान के साथ शांति और स्थायित्व चाहता है। पाकिस्तानी राजदूत का यह बयान ऐसे समय पर आया है जब हाल ही में खैबर और बलूचिस्तान प्रांत में पाकिस्तानी सेना पर कई बड़े हमले हुए हैं जिसमें कई सैनिकों की जान चली गई है। यह हमले साल 2021 में तालिबानी सरकार के काबुल में सत्ता में आने के बाद बहुत ज्यादा बढ़ गए हैं।

पाकिस्तान की सरकार ने टीटीपी आतंकियों के खिलाफ सैन्य अभियान छेड़ने का ऐलान किया है। इसको लेकर खुद पाकिस्तान में विद्रोह जैसे हालात हैं। खैबर प्रांत में पश्तून जनता सड़कों पर उतर आई है और बन्नू में जमकर विरोध प्रदर्शन चल रहा है। इसको लेकर अब पाकिस्तान की सेना ने सफाई दी है। यही नहीं पाकिस्तान लाखों की तादाद में अपने देश में रह रहे अफगानों को वापस भेज रहा है।

अब खुद हाइवे बनाएगा नेपाल, ड्रैगन को कड़ा संदेश

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) काठमांडू। चीन की सरकार नेपाल से दोस्ती के तमाम दावे करती है लेकिन जब बात पैसा खर्च करने की होती है तो वह टाल मटोल करने लगता है। चीन की सरकार पिछले 9 साल से वादा करने के बाद भी अरानिको हाइवे पूरा करने के लिए वित्तीय और तकनीकी मदद नहीं दे रही थी। अब नेपाल की केपी ओली सरकार ने चीन को कड़ा संदेश देते हुए खुद ही इस हाइवे प्रॉजेक्ट को पूरा करने का फैसला किया है। नेपाल के एक सांसद और कई अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी है। चीन यह भी चाहता है कि नेपाल बीआरआई प्रॉजेक्ट को मंजूरी दे लेकिन अभी तक इस दिशा में कोई फैसला नहीं हो सका है। इससे भी चीन नेपाल की सरकार से खुश नहीं है। इसके अलावा चीन के वित्त मंत्रालय और दूतावास से भी कहा गया लेकिन काई फायदा नहीं हुआ।

Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

सितंबर से शुरू होगी श्री केदारनाथ धाम के द्वितीय चरण की यात्रा

श्री केदारनाथ धाम की द्वितीय चरण की यात्रा को बेहतर ढंग से संचालित करने के लिए गए सुझाव

बैठक

संवाददाता

रुद्रप्रयाग। श्री केदारनाथ धाम की द्वितीय चरण की यात्रा को सुगम, सुव्यवस्थित एवं बेहतर ढंग से संचालित करने के लिए आयुक्त गढ़वाल मंडल विनय शंकर पांडेय ने जीएमवीएन गेस्ट हाउस गुप्तकाशी में क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों, होटल एसोसिएशन, व्यापार मंडल एवं तीर्थ पुरोहितों के साथ बैठक कर केदारनाथ धाम की व्यवस्थाओं पर चर्चा की। साथ ही उनके सुझाव भी लिए गए।

आयोजित बैठक में सदस्य जिला पंचायत गुप्तकाशी गणेश तिवारी ने अवगत कराया कि गुप्तकाशी विश्वनाथ मार्ग में पानी निकासी के लिए उचित प्रबंधन नहीं है जिसमें उन्होंने नाली का निर्माण करने की मांग की। साथ ही उन्होंने वाहनों की पार्किंग हेतु उचित स्थान चिन्हित करने की भी मांग की। उन्होंने कहा कि श्रावण मास में गुप्तकाशी क्षेत्रांतर्गत मांस की बिक्री न की जाए। इसके साथ ही उन्होंने झूलते विद्युत लाइन

के तारों को दुरस्त करने की मांग की गई। उन्होंने यह भी अवगत कराया है कि गुप्तकाशी क्षेत्रांतर्गत अवैध तरीके से गैस की सप्लाई की जा रही है जिस पर उन्होंने रोक लगाने की मांग की गई। उन्होंने अस्पताल तक रोड दुरस्त करने की मांग की गई। उन्होंने गुप्तकाशी में आवारा पशुओं के लिए उचित प्रबंधन करते हुए गोसदन की मांग की गई। इस अवसर पर व्यापार मंडल के अध्यक्ष गुप्तकाशी चुन्नी लाल शर्मा, होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह नेगी, पूर्व अध्यक्ष व्यापार मंडल मदन सिंह रावत तथा सुरेंद्र दत्त नौटियाल ने आयुक्त का गुप्तकाशी में पधारने पर स्वागत करते हुए स्मृति चिह्न भेंट किया गया।

इस अवसर पर आयुक्त गढ़वाल मंडल ने उपस्थित जनप्रतिनिधियों से कहा कि सरकार व स्थानीय जिला प्रशासन द्वारा चारधाम यात्रा को सुव्यवस्थित एवं बेहतर ढंग से संचालित करने के लिए प्रतिबद्ध है तथा इस दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि केदारनाथ धाम की द्वितीय चरण की यात्रा को बेहतर ढंग से संचालित करने के लिए उनके द्वारा क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, होटल एसोसिएशन, व्यापार मंडल के पदाधिकारियों एवं तीर्थ पुरोहितों के साथ ऊखीमठ एवं अगस्त्यमुनि तथा आज गुप्तकाशी में बैठक की जा रही है तथा इसमें जनप्रतिनिधियों के द्वारा जो भी क्षेत्र की समस्याएं एवं यात्रा व्यवस्थाओं से संबंधित सुझाव दिए गए हैं उनका सभी का डोकोमेंटेशन किया गया है तथा सभी की गहन समीक्षा की जा रही है। उन्होंने जिलाधिकारी को निर्देश दिए हैं कि जिला स्तर पर संबंधित समस्याओं का निराकरण संबंधित विभागों के माध्यम से निस्तारण 15 दिनों के भीतर सुनिश्चित किया जाए तथा जो शासन स्तर की समस्याओं को उनके माध्यम से शासन को उचित कार्यवाही के लिए प्रेषित किया जाएगा।

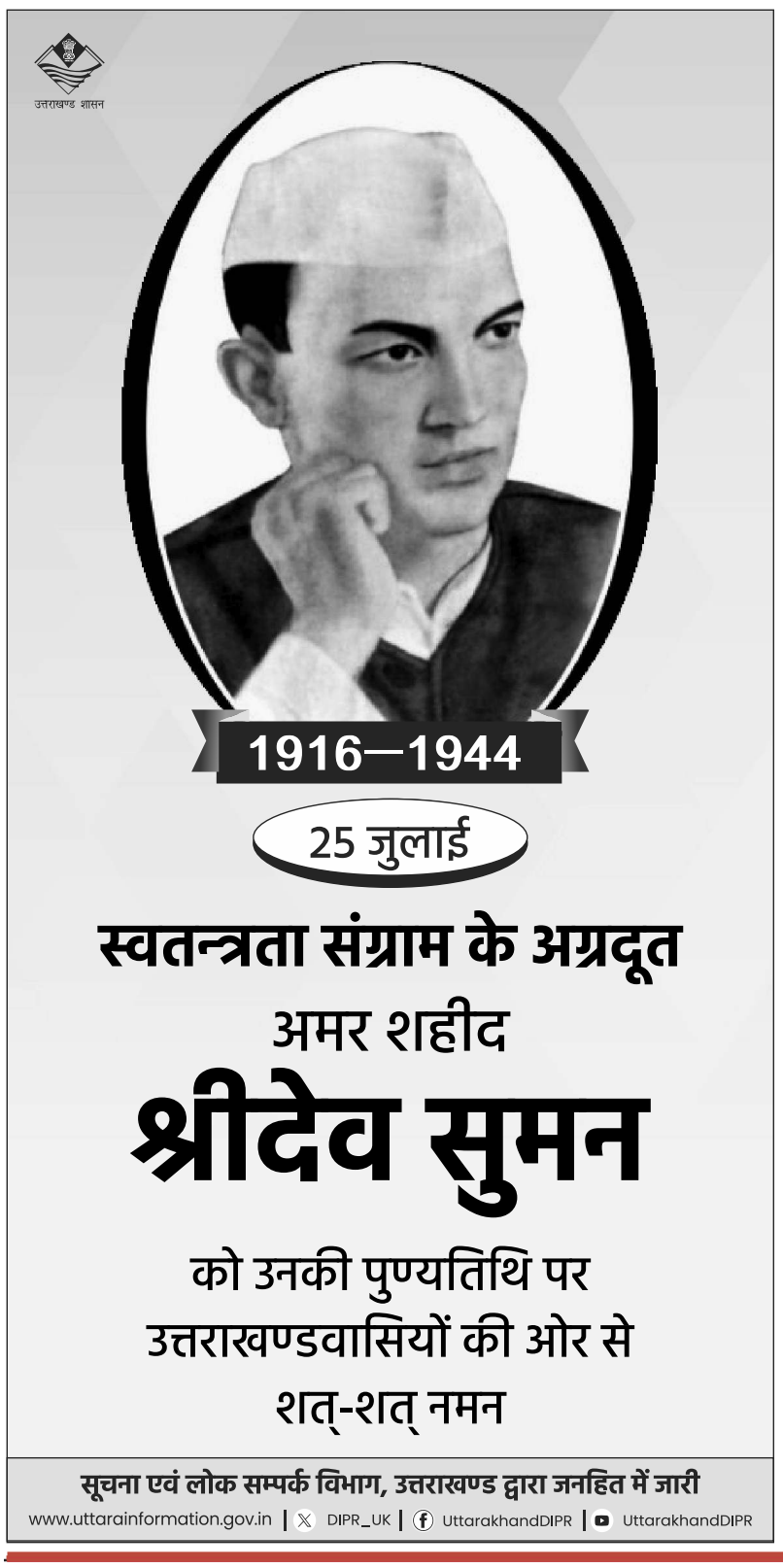

मुख्यमंत्री उददीयमान उन्नयन खेल छात्रवृत्ति योजना के ट्रायल 25 व 27 जुलाई को होगा

संवाददाता चमोली। मुख्यमंत्री उदीयमान खिलाड़ी उन्नयन योजना के ट्रायल 25 व 27 जुलाई को खेल मैदान गोपेश्वर में लिए जाएंगे। प्रभारी जिला क्रीडाधिकारी जयबीर रावत ने जानकारी देते हुए बताया कि मुख्यमंत्री उददीयमान उन्नयन खेल छात्रवृत्ति योजना के तहत जनपद के 08 से 14 आयु वर्ग के 150 बालक व 150 बालिकाओं का चयन निर्धारित बैटरी टेस्ट के 30 मी0 फ्लांइग स्टार्ट, 6 इनटू 10 शटल रन, 600मी0 दौड, स्टैडिंग ब्राड जम्प, मेडिसीन बॉल थ्रो, फारवर्ड बैण्ड रीच दक्षता योग्यता के आधार पर किया जाना है। चयनित छात्र को प्रतिमाह 1500 की छात्रवृति प्रदान की जाती है। प्रतिभागी को गूगल प्ले स्टोर से एप्प डाउनलोड करते हुए रजिस्ट्रेशन करना है। आयु की गणना 01 जुलाई 2024 को आधार मानकर की जाएगी और प्रतिभागी उत्तराखंड का स्थायी निवासी होना आवश्यक है।

ग्रामीणों ने पारम्परिक विधि विधान से पूजा-अर्चना कर मांगी मन्नत

संवाददाता पुरोला। प्रखंड पुरोला के करड़ा गांव में रुद्रेश्वर महाराज के 4 वर्ष बाद होने वाले श्रावण मेले में ग्रामीणों ने पारम्परिक विधि–विधान से पूजा अर्चना कर बड़ी धूमधाम से मेले का आयोजन कर देव डोली के साथ खूब उत्सव मनाया व जमकर पारम्परिक गीत गानो के साथ रातभर झूमे तथा मन्नतें मांगी। मुंगरसन्ति पट्टी के 60 गांवों से अधिक गांवों के आराध्य रुद्रेश्वर महाराज हर चार वर्ष में पुरोला के करड़ा गांव में श्रावण मास में होने वाले मेले में आते हैं। रुद्रेश्वर महाराज के चार देव थान जिनमे दो पल्ली मुंगरसन्ति के बजलाड़ी, तिंया तथा वल्ली मुंगरसन्ति के देवलसारी व कंडाऊं में है जिस वर्ष रुद्रेश्वर महाराज की देव डोली नौगांव के देवलसारी थान में 4 वर्ष बाद बिराजित होती है। उसी वर्ष ही पुरोला के करड़ा,सुकडाला व पोरा गांव में श्रावण मेले का आयोजन होता है। लंबे समय के अंतराल में देवता के गांव आगमन पर ग्रामीण मेले को बड़ी भव्यता से मनाते हैं।

सभी के सामूहिक प्रयास से क्षेत्र का विकास संभव है: आयुक्त गढ़वाल मंडल

संवाददाता।

■त्यूड़ी जाखधार में आयोजित किया गया जन संवाद/जनता मिलन कार्यक्रम

रुद्रप्रयाग। दो दिवसीय जनपद भ्रमण पर पहुंचे आयुक्त गढ़वाल मंडल विनय शंकर पांडेय की अध्यक्षता में आज दूसरे दिन विकास खंड ऊखीमठ के अंतर्गत ग्राम पंचायत त्यूड़ी गांव में जनता मिलन जन संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आयुक्त गढ़वाल मंडल ने ग्रामीणों की समस्याओं को सुना तथा विभागीय अधिकारियों को दर्ज समस्याओं एवं सुझावों के तत्परता से निस्तारण करने के निर्देश दिए गए।

आयोजित जनता मिलन/जन संवाद कार्यक्रम में अध्यक्ष प्रधान संगठन तथा त्यूड़ी के प्रधान सुभाष रावत ने गुप्तकाशी–जाखधार मोटर मार्ग के सुधारीकरण व डामरीकरण करने की मांग की। इसके साथ ही उन्होंने क्षेत्र में मोबाइल नेटवर्क की समस्या से अवगत कराते हुए कहा कि नेटवर्क समस्या होने से छात्र–छात्राओं को ऑनलाइन पढ़ाई करने में अनावश्यक समस्या हो रही है। उन्होंने जंगली जानवरों से फसलों को हो रहे नुकसान से निजात दिलाने के लिए घेरबाड़ की मांग की गई। उन्होंने त्यूड़ी गांव को पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण बताते हुए त्यूड़ी गांव को पर्यटक गांव घोषित करने तथा जाख मेला को जिला स्तरीय मेला घोषित करने की मांग के साथ ही मेला स्थल के सौंदर्यीकरण की भी मांग की गई।

जिला पंचायत सदस्य बबीता देवी ने अवगत कराया कि ग्राम ग्राम पंचायत खड़िया में मार्ग की स्थिति सही नहीं है साथ ही डोलिया देवी के समीप हो रहे भू–स्खलन से गांव को खतरा है जिसके लिए उन्होंने सुरक्षा की मांग की। जिला पंचायत सदस्य गणेश तिवारी ने बताया कि श्री केदारनाथ धाम जाने के लिए संचालित हो रही हैली सेवाओं में स्थानीय लोगों को वरीयता दी जाए। उन्होंने गांव के विकास में हैली कंपनियों से 5 प्रतिशत धनराशि मुहैया कराने का सुझाव भी दिया। दिनेश पुरोहित ने क्षेत्र में बंदरों के आतंक से निजात दिलाने की मांग की।

इस अवसर पर आयुक्त गढ़वाल मंडल ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार का मुख्य उद्देश्य है कि आम जनमानस की समस्याओं का समाधान उनके ही द्वार पर हो सके इसके लिए सरकार जनता के द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

इमरान की लोकप्रियता

साफ मतलब यही है कि जेल के अंदर से भी इमरान अपने विरोधियों के लिए खतरा बने हुए हैं। पाकिस्तान की फौज के साथ बढ़ते मतभेदों के बीच अपनी कुर्सी गंवाने वाले इमरान खान की पाकिस्तानी अवाम के बीच लोकप्रियता पिछले चुनावों में अच्छी तरह स्थापित हो चुकी है।

गुलशन राय खत्री।।

पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार ने संकेत दिए हैं कि पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी को बैन किया जा सकता है। इमरान खान पहले से ही जेल में बंद हैं। उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीके इंसाफ पर भी कई तरह की बंदिशें पहले से लगी हुई हैं। इसके बावजूद अगर पाकिस्तान सरकार इस नई पहल की बात कर रही है तो इसका साफ मतलब यही है कि जेल के अंदर से भी इमरान अपने विरोधियों के लिए खतरा बने हुए हैं। पाकिस्तान की फौज के साथ बढ़ते मतभेदों के बीच अपनी कुर्सी गंवाने वाले इमरान खान की पाकिस्तानी अवाम के बीच लोकप्रियता पिछले चुनावों में अच्छी तरह स्थापित हो चुकी है। खुद इमरान को चुनाव लड़ने से रोके जाने और पार्टी को प्रत्याशी तक न खड़ा करने देने के बावजूद पाटीपी के लोग बड़ी संख्या में जीत कर नैशनल असेंबली पहुंचे।

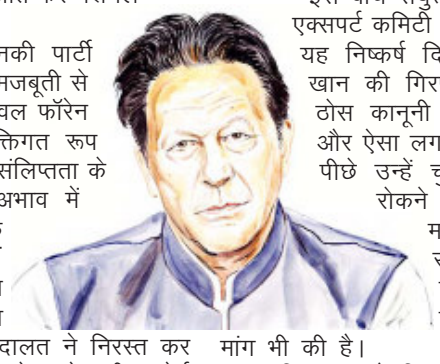

इमरान और उनकी पार्टी अदालती लड़ाई भी मजबूती से लड़ती दिखी। न केवल फॉरेन फंडिंग केस में व्यक्तिगत रूप से इमरान खान की संलिप्तता के आरोप सबूतों के अभाव में खारिज हो गए बल्कि के बल मामले में ऑफिशल सीक्रेट्स एक्ट के उल्लंघन का आरोप भी ऊपरी अदालत ने निरस्त कर दिया। यही नहीं, पिछले हफ्ते सुप्रीम कोर्ट ने पीटीपी को नैशनल असेंबली में 20 से ज्यादा रिजर्व सीटों के लिए पात्र घोषित कर दिया, जिससे वह सबसे बड़ी पार्टी हो जाती है।

इस बीच संयुक्त राष्ट्र की एक एक्सपर्ट कमिटी ने भी इस महीने यह निष्कर्ष दिया कि इमरान खान की गिरफ्तारी का कोई ठोस कानूनी आधार नहीं है और ऐसा लगता है कि इसके पीछे उन्हें चुनाव लड़ने से रोकने का राजनीतिक मकसद काम कर रहा है। कमिटी ने उन्हें तत्काल रिहा करने की मांग भी की है।

दिलचस्प है कि पीटीपी को बैन करने की इस ताजा पहल को लेकर सत्तारूढ़ गठबंधन में भी दरार दिखने लगी है। पाकिस्तान पीपल्स पार्टी ने इस फैसले से खुद को अलग करते हुए कहा है कि इस बारे में उससे कोई राय–मशविरा नहीं किया गया। इसके बाद यह भी देखना होगा कि सरकार इस फैसले को लेकर किस तरह से और कितना आगे बढ़ती है। जिस तरह से पाकिस्तानी सत्ता तंत्र देश की एक प्रमुख राजनीतिक पार्टी को कानूनी दांव–पेच के जरिए चुनावी मुकाबले से बाहर रखने में लगातार लगा हुआ है, वह लोकतंत्र के उसके दावे के लिए एक गंभीर चुनौती है। हैरत की बात तो यह है कि इसका साधन एक ऐसी पार्टी बनी हुई है, जिसका सबसे बड़ा नेता खुद लंबे समय तक इन अलोकतांत्रिक तौर–तरीकों का शिकार बना रहा है।

शांत स्वभाव

अशोक वोहरा। काजल कि इतनी अभद्र बातें सुनते ही, राहुल के पैरों तले जमीन खिसक जाती है। उसने उम्मीद भी नहीं की थी कि, काजल उससे कभी इस लहजे से बात करेगी। राहुल शांत स्वभाव का था। वह काजल को शांत करते हुए पूछता है, "क्या हुआ काजल? आराम से बात करो"। काजल तुरंत उसका मोबाइल लाकर, वही मैसेज उसके सामने रख देती है। राहुल काजल से पूछता है, "यह क्या है"? काजल तुरंत कहती है, "तुम बताओ, यह क्या है और कौन है? जिसने तुम्हें यह मैसेज भेजा है। राहुल काजल की बात सुनकर मुस्कुराने लगता है और कहता है, "अरे पागल यह मैसेज, उस लड़की ने मुझे नहीं भेजा था, बल्कि कंपनी में काम कर रहे, मेरी टीम के एक लड़के ने, उस लड़की को भेजा था और उस लड़की ने, मुझसे उसकी शिकायत करने के लिए, वह मैसेज मुझे फॉरवर्ड किया था। ... शेष कल

धर्म-दर्शन

संपादकीय

राष्ट्रहित सबसे ऊपर

अंतरराष्ट्रीय पटल पर एक ऐसे नए मुखर भारत का उदय हुआ है जो अपने राष्ट्रीय हित पर केंद्रित विचार से निर्णय करते समय यह नहीं सोचता कि कौन देश इससे नाराज होगा और कौन खुश। एक समय निर्गुट आंदोलन के नाम से अवश्य वैश्विक संगठन चला लेकिन निर्गुटता का साकार रूप हमने नरेंद्र मोदी सरकार के दौरान ही देखा है। आज भारत किसी के गुट में नहीं लेकिन किसी के विरुद्ध भी नहीं। सबसे बड़ी बात कि भारत को भारत के रूप में जानने और उसी तरह से व्यवहार करने की सोच विश्व समुदाय के अंदर गहरी हुई है और यह असाधारण बदलाव है। इसी कारण दुनिया के अनेक सरकारी गैर सरकारी शक्तियां नरेंद्र मोदी सरकार के विरुद्ध अभियान चलाकर उन्हें सत्ता से बाहर करने की कोशिशों में भी लगी हुई हैं। इसलिए ठश्रच और सरकार के चेहरे चरित्र और चाल में बदलाव के लिए आवाज उठे यह तो ठीक है, लेकिन इससे जुड़े दूसरे पहलुओं का ध्यान रखना भी जरूरी है।

निस्संदेह, बीजेपी के संगठन और सत्ता को लेकर सोच, आचार और व्यवहार में व्यापक बदलाव की आवश्यकता है और यह आसानी से नहीं हो सकता।

तुलनात्मक नजरिया

अवधेश कुमार।।

इन दिनों बीजेपी लोकसभा अपने प्रदर्शन की समीक्षा कर रही है। उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र पर लोगों का सबसे ज्यादा ध्यान है । इन दो राज्यों में पार्टी का प्रदर्शन अपेक्षाओं के बिल्कुल उलट रहा है, जिससे ठश्रच हिल गई है। पार्टी को लेकर सबसे ज्यादा नाराजगी और निराशा उसके अपने कार्यकर्ता, स्थानीय नेता और प्रतिबद्ध समर्थक प्रकट कर रहे हैं। इन्हें या इनके जैसे लोगों को अनदेखा किया जाना, उम्मीदवारों का उनकी कसौटी पर सही नहीं होना और केन्द्र व प्रदेशों में उच्च पदों पर बैठे अनेक लोगों का सही व्यवहार न होना, जैसी शिकायतों को स्वीकार करने में समस्या नहीं है। किंतु इनमें ज्यादातर लोग हिंदुत्व, आंतरिक व बाह्य सुरक्षा, धर्म, अध्यात्म, संस्कृति, इतिहास, सामाजिक न्याय आदि के आधार पर अपने विचार और व्यवहार निर्धारित करते हैं।

भावावेश में ये लोग इस सच को नजरअंदाज कर रहे हैं कि इन मसलों पर स्वतंत्रता के बाद किसी सरकार ने काम किया है तो वह नरेंद्र मोदी सरकार ही है। स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस मायने में राजनीति में आज तक के सबसे प्रखर, मुखर और निर्णय लेने वाले नेता बन चुके हैं। 2019 में अमित शाह द्वारा गृह मंत्रालय संभालने के बाद हिंदुत्व और भारतीयत्व से जुड़े

मसलों पर सरकार ज्यादा दृढ़ हुई है।

समर्थकों की अपेक्षाएं से अलग हटकर इस नेतृत्व की दूसरे दलों और नेताओं से तुलना करें तो तस्वीर साफ हो जाएगी। निस्संदेह, बीजेपी के संगठन और सत्ता को लेकर सोच, आचार और व्यवहार में व्यापक बदलाव की आवश्यकता है और यह आसानी से नहीं हो सकता। राष्ट्रीय और राज्य स्तरों पर ऐसी समितियां बनें जो स्थानीय कार्यकर्ताओं, नेताओं, समर्थकों से बातचीत कर तथ्य इकट्ठा करें और उनके अनुसार तात्कालिक और दूरगामी दृष्टि से जो भी जरूरी हों, वे बदलाव किए जाएं।

सच यह भी है कि मंत्रालयों को छोड़ दिया जाए तो उनके अलावा सरकार से जुड़ी हुई संस्थाओं में ज्यादातर अपनी भूमिकाओं पर लचर साबित हुई हैं। शिक्षा, इतिहास, संस्कृति, कला, साहित्य, समाज विज्ञान आदि से जुड़ी संस्थाओं ने वाकई 10 वर्षों में ऐसे रेखांकित करने वाले काम नहीं किए, जिससे आरोपित विकृत वामपंथी सिद्धांत, धारणाएं और नैरेटिव ध्वस्त हो सकें । सरकारी विभागों की तो छोड़िए विश्वविद्यालयों आदि के संरचनात्मक ढांचे में भी बदलाव नहीं हुए।

दूसरी ओर यह भी सच है नरेंद्र मोदी सरकार ने भारत के दूरगामी भविष्य का ध्यान रखते हुए ऐसे कार्य किए जिनकी कल्पना पहले नहीं की गई थी। जम्मू–कश्मीर से अनुच्छेद 370 की समाप्ति, नागरिकता संशोधन कानून, एक साथ तीन तलाक के विरुद्ध कानून, बीजेपी की राज्य सरकारों द्वारा गोहत्या निषेध की कानूनी व्यवस्था, आतंकवादी हमले के विरुद्ध पाकिस्तान सीमा के अंदर कार्रवाई, भारतीय सभ्यता संस्कृति के अनुरूप ळ20 और ऐसे कई अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों का आयोजन, विदेश यात्राओं के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा भारतवंशियों के बीच कार्यक्रमों और संबोधनों से भारत, भारतीय सभ्यता–संस्कृति और हिंदुत्व को लेकर फैलाया गया गर्व भाव, हिंदुओं के आस्था केन्द्रों का भव्य पुनर्निर्माण जैसे कार्य विचारधारा वाले कार्यकर्ताओं और समर्थकों के लिए संतोष के विषय होने चाहिए। सच यह है कि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा नेतृत्व संभालने के साथ पिछले 10 वर्षों में हमें एक बदला हुआ भारत दिखता है। आज अमेरिका सहित विश्व के कई प्रमुख देश आरोप लगा रहे हैं कि भारत उनकी धरती पर हत्याएं करवा रहा है।

अष्टयोग- 5109

4	2		3	5	1	
2	32	4	39	7	34	4
	1		4		5	2
	30	3	38	6	31	
1	2		6		7	
3	27	2	25	1	31	
	6	1	4		3	5

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे कले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 5108 का हल

7	6	1	4	2	3	5
2	28	4	33	7	35	4
1	2	5	6	4	7	3
5	28	3	38	6	34	1
4	2	6	3	5	1	7
3	31	2	31	1	30	6
6	1	7	4	3	5	2

Jagrutidaur.com, Bangalore

अपना ब्लॉग

कुछ नया चाहिए

मोहन। ओल्ड रिजीम में टैक्स बचाने के लिए अभी तक लोग एफडी, पीएफ, इंश्योरेंस जैसे इंस्ट्रूमेंट में निवेश करते थे। सेक्शन 80 सी के नाम से पॉपुलर इस इंतजाम में डेढ़ लाख रुपये तक इन्वेस्ट किया जा सकता है। लेकिन 2014 से ये लिमिट नहीं बदली है। वैसे भी एफडी और पीएफ का आकर्षण कम होता दिख रहा है। शेयर बाजार और रियल एस्टेट युवा पीढ़ी की पसंद बन रहे हैं। इन असेट्स के मुनाफे पर कैपिटल गेंस टैक्स की जो व्यवस्था है, वो जटिल है। वहां अलग–अलग असेट क्लास में होल्डिंग पीरियड के आधार पर टैक्स बदल जाता है। इसकी जटिलता को खत्म करने से भी सिस्टम आसान बनेगा। पिछले कई बरसों पर नजर डालें तो टैक्स की दरें कम होती गई हैं। इससे टैक्स देने वालों की संख्या भी बढ़ी है। करीब एक दशक में ये संख्या डबल के करीब बढ़ी है। लेकिन बड़ी आबादी आज भी इसके दायरे में नहीं है। एक बात और, पर्सनल इनकम टैक्स का असर जितने लोगों पर पड़ता है, उससे ज्यादा असर जीएसटी का पड़ता है। एक बड़ा सवाल ये है कि क्या पेट्रोल और डीजल को जीएसटी के दायरे में लाया जाएगा।

ससुर शत्रुघ्न सिन्हा के सामने कांपने लगे थे जहीर इकबाल

सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल ने 23 जून 2024 को कोर्ट मैरिज की थी। इस दौरान सिर्फ परिवार और करीबी लोग ही मौजूद थे। हालांकि अब इनकी शादी को एक महीना पूरा हुआ। अब एक्टर ने एक इंटरव्यू में उस दिन के बारे में बताया, जब वह सोनाक्षी सिन्हा को प्रपोज करने की इजाजत लेने के लिए शत्रुघ्न सिन्हा से मिले थे। और वक्त वह बुरी तरह कांप रहे थे। जहीर इकबाल ने बताया कि उन्हें प्रपोज करने की इजाजत मांगनी पड़ी तो वह बेहद घबराए हुए थे और कांप रहे थे। एक्टर ने कहा कि शत्रुघ्न सिन्हा से परमिशन मांगी थी। जहीर को चिंता थी कि उन्हें श्खामोशश कहकर सख्ती से रिजेक्ट कर दिया जाएगा। लेकिन जब वह शत्रुघ्न सिन्हा से मिले तो उन्हें अच्छा लगा। और सोनाक्षी के पिता उन्हें दयालु और प्यारे लगे। जहीर इकबाल ने बताया कि उन्होंने हकलाते हुए कहा, अंकल, सोना ने आपको बताया होगा कि हम... जिस पर उन्होंने जवाब दिया, श्हां। उसने जिक्र किया था। जहीर ने सोचा कि शत्रुघ्न सिन्हा को शायद मालूम नहीं कि वह क्या कहना चाह रहे। इसलिए वह दोबारा बोले, अंकल, मैं प्रपोज करने के बारे में सोच रहा था। तो एक्ट्रेस के पिता बोले, ओह, बहुत अच्छा, बहुत अच्छा। जहीर ने फिर शत्रुघ्न से कहा कि, अंकल अगर आप मेरे बारे में कुछ पूछना चाहते हैं, तो प्लीज पूछिए।

किक 2 के लिए हो जाएं तैयार, देवी लाल बनकर लौट रहे हैं सलमान खान!

साजिद नाडियाडवाला ने बहुत पहले अपनी फिल्म किक के सीक्वल किक 2 को लेकर अनाउंस किया था और अब खबर है कि इस फिल्म की शूटिंग अगले साल 2025 में शुरू होने जा रही है। इसी फिल्म के जरिए साजिद नाडियाडवाला ने डायरेक्शन की दुनिया में कदम रखा था। साल 2014 में आई इस पहली फिल्म श्किकश को लोगों ने काफी पसंद किया था। अब कहा जा रहा है कि किक 2 में मेकर्स डेविल यानी देवी लाल सिंह की कहानी को आगे बढ़ाना चाहते हैं। अब करीब एक दशक बाद ऐसा लग रहा है कि सलमान खान को फैन्स जल्द ही डेविल के रूप में एक बार फिर से देख पाएंगे। हालांकि इस फिल्म को लेकर अब तक कोई ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं हुआ है। हालांकि, साजिद इस फिल्म को लेकर पहले ही बता चुके हैं कि ये फिल्म ऑन पेपर है और इसे लेकर काम चल रहा है। बता दें कि इस वक्त सलमान खान रश्मिका मंदाना के साथ अपनी फिल्म श्सिकंदरश की शूटिंग में व्यस्त हैं जो ईद पर अगले साल यानी 2025 को रिलीज होनी है।

बिग बॉस फेम अरमान मलिक की बीवी पायल तिलमिलाई

रिएलिटी शो बिग बॉस ओटीटी सीजन 3 में यूट्यूबर अरमान मलिक लगातार चर्चा में बने हुए हैं तो इस शो से एविक्ट हो चुकीं उनकी बीवी पायल मलिक भी हेटर्स को करारे जवाब देती नजर आ रही हैं। उनके बड़े बेटे चीकू को एक यूजर ने नाजायज कहा तो उनका पारा हाई हो गया। उन्होंने अपने व्लॉग में यूजर को करारा जवाब दिया। पायल मलिक यूट्यूब चैनल पर वीडियो पोस्ट किया गया है, जिसके कैप्शन में लिखा है, श्चीकू नाजायज नहीं है।श इस वीडियो में पायल अपने घर में बच्चों के साथ नजर आ रही हैं। इस वीडियो के आखिरी में पायल बताती हैं कि एक कॉमेंट आया था, जिसमें लिखा था, श्शर्म नहीं आई बिना शादी के चीकू को पैदा किया, नाजायज बच्चा है। अरमान मलिक की पहली बीवी ने जवाब में कहा, श्मेरी शादी को 14 साल हो गए हैं और चीकू मुझे 2016 में हुआ था। मैं अरमान से 2011 में मिली थी इसी साल उनसे शादी कर ली थी। उस हिसाब से तो चीकू 16 साल का हुआ! क्या आपको लगता है कि चीकू नाजायज होगा। आप सोचकर देखो, अपना दिमाग लगाकर देखो। पायल आगे कहती हैं, 2011 में मैंने शादी की थी कोर्ट मैरिज। और चीकू हुआ था 2016 में। चीकू नाजायज नहीं है। चीकू जायज बच्चा है और वो अरमान का बच्चा है।

बेटी की मौत के गम में डूबे पिता के सामने खुद टूट गए सिंगर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

बॉलीवुड एक्टर, फिल्ममेकर और टी–सीरीज के को–ओनर कृष्ण कुमार की बेटी तिशा का 18 जुलाई को निधन हो गया। मात्र 20 साल की तिशा जहां जिंदगी में उड़ान भरने के सपने देख रही थीं, कैंसर ने सब एक ही पल में छीन लिए। परिवार से उनके जिगर का टुकड़ा चला गया और सबसे अधिक सदमे में इस वक्त उनके माता–पिता हैं। सोमवार को तिशा को अंतिम विदाई के बाद शोक सभा रखा गया, जहां उनके करीबी और जानने वाले श्रद्धांजलि देने पहुंचे थे। यहीं से एक वीडियो सामने आया है जिसमें सोनू निगम भी नजर आ रहे हैं और ये झलक हर किसी को इमोशनल कर रहा है।

बेहद टूटे हुए है कृष्ण कुमार

दिल को छू जाने वाले इस वीडियो में अपनी लाडली के चिता को अपने ही हाथों से मुखाग्नि देने के बाद कृष्ण कुमार बेहद टूटे हुए

नजर आ रहे हैं। ये ऐसा दर्द है जिसपर वक्त के अलावा कोई मरहम काम ही नहीं कर सकता। पिता के चेहरे से वो मायूसी साफ दिख रही है, जो इस वक्त केवल अपनी बच्ची के याद में कलपता दिख रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया है कि सोनू ने तिशा को बचपन से लेकर अब तक बड़े होते तक देखा है और उनकी अचानक मौत से उन्हें काफी सदमा लगा है।

कृष्ण कुमार की गोद में सिर रखकर रोते दिखे सोनू निगम

शायद पिता के दिल का यही दर्द सोनू निगम ने भांप लिया। शोक सभा में मौजूद भीड़ के बीच सोनू निगम की नजर जैसे की कृष्ण कुमार पर पड़ी वो उनके पैरों के पास जाकर बैठ गए। सोनू को कृष्ण कुमार की गोद में सिर रखकर रोते हुए देख वहां कई लोग इमोशनल हो गए। वहां सोनू निगम की वाइफ भी मौजूद थीं और वह भी उस वक्त दोनों को संभालती दिखीं।

३० साल से भी पुराना है सोनू निगम का टी-सीरीज से रिश्ता

बता दें कि टी–सीरीज का सोनू निगम के साथ करीब 30 बरसों से अधिक पुराना रिश्ता रहा है। टी–सीरीज के साथ सोनू के सहयोग ने कई चार्ट–टॉपिंग हिट और लाजवाब गाने तैयार हुए हैं। इस मौके पर सोनू निगम का दुख साफ दिख रहा था और उन्हें इस तरह से रोते हुए देखकर सोशल मीडिया पर लोग भी काफी इमोशनल हो रहे हैं।

अविका गौर के मिलिंद चांदवानी ने 6 महीने तक रखा फ्रेंड

अविका गौर कई टीवी सीरियल्स में नजर आ चुकी हैं। फिर उन्होंने फिल्मों का रुख कर लिया था। जल्द ही उनकी फिल्म श्ब्लडी डैडीश ओटीटी पर रिलीज होगी। फिलहाल वो पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने कहा कि वो मन ही मन शादी कर चुकी हैं।

ससुराल सिमर का फेम अविका ने जब पहली बार मिलिंद चांदवानी को अपने परिवार से मिलवाया था तो शादी का सवाल तुरंत ही उठ खड़ा हुआ था। वो कहती हैं, मैंने उन्हें एक दोस्त के तौर पर मिलवाया था, लेकिन मां तो मां होती है। उन्हें समझ आ गया। मैं मिलिंद के एनजीओ के लिए पैसे जुटा रही थी।

6 महीने तक अविका को रखा फ्रेंड जोन!

अविका आगे बोलती हैं, श्मैंने तो पहले ही बोला था कि वो बहुत समझदार हैं। 6 महीने बाद उन्होंने मुझसे कहा, श्ठीक है, मैं भी तुमसे प्यार करता हूं। तो मैंने उनसे पूछा कि ये 6 महीने क्या ड्रामा था? तो उन्होंने समझाया कि वो जल्दबाजी नहीं करना चाहते थे और देखना चाहते थे कि हम वास्तव में एक–दूसरे को दोस्त के तौर पर पसंद करते हैं और इसके बाद ही हम बात को आगे बढ़ाएंगे।

साढ़े 4 साल पहले ही शादी कर लेतीं आनंदी?

वैसे तो अविका जल्द से जल्द शादी करना चाहती हैं, लेकिन मिलिंद चीजों को ज्यादा मैच्योर तरीके से करना चाहते हैं। वो कहती हैं, मेरे हाथ में होता तो मैं साढ़े चार साल पहले ही शादी कर चुकी होती। कुछ सोचना नहीं था। अब जो है यही है। मेरे दिमाग में हो चुकी है शादी। लेकिन वो काफी समझदार थे। उन्होंने मुझसे कहा कि तुम अभी 26 साल की हो और मैं 32 का। तुम काम करने और लाइफ को देखने के लिए अपना समय लो।

2007 में टीवी पर किया था डेब्यू

मालूम हो कि अविका और मिलिंद ने साल 2020 में एक–दूसरे को डेट करना शुरू किया था। वे सोशल मीडिया पर भी प्यार का इजहार करने से पीछे नहीं हटते हैं। 30 जून 1997 को मुंबई में गुजराती फैमिली में जन्मीं अविका ने 2007 में श्श्श्श... कोई है से टीवी डेब्यू किया था। मिलिंद ने इंजीनियरिंग की पढ़ाई की है और वो एमबीए भी कर चुके हैं। सोशल वर्कर होने के साथ–साथ वो रोडीज शो में भी नजर आ चुकी हैं।

इन लोगों को भूल से भी नहीं खाना चाहिए पीनट बटर

पीनट बटर का सेवन वैसे तो बहुत फायदेमंद है, लेकिन कई लोगों के लिए यह स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है। आइए, इस आर्टिकल में जानते हैं कि किन लोगों को इसका सेवन नहीं करना चाहिए।

हाई प्रोटीन से भरपूर पीनट बटर एक अच्छा एनर्जी बूस्टिंग फूड है और सेहत के लिए इसके कई फायदे है। इसमें प्रोटीन के अलावा हेल्दी फैट्स पाए जाते हैं। वेट लॉस वालों के लिए यह काफी फायदेमंद है। इसका सेवन से आपके शरीर में एनर्जी मिलती है। मूंगफली में मौजूद प्रोटीन क्रेविंग को कंट्रोल करती है। इसके और भी बहुत से लाभ हैं। कुल मिलाकर इसमें कोई दोराय नहीं है कि पीनट बटर सेहत के लिए बेहद फायदेमंद है। लेकिन फिर भी कुछ लोगों के लिए इसका सेवन स्वास्थ्य समस्याएं पैदा कर सकता है। तो आइए जानते हैं कि किन मरीजों को पीनट बटर का सेवन भूल से भी नहीं करना चाहिए।

जिन्हें मूंगफली से एलर्जी हो
कुछ लोगों को मूंगफली से एलर्जी होता है और इसका सेवन करने से एलर्जी की गंभीर रूप ले सकती है। इसके कारण त्वचा पर रैशेज, खुजली, सांस लेने में कठिनाई और कुछ मामलों में एनाफिलेक्सिस का कारण बन सकती है।

पाचन समस्याओं वाले दूर रहें
जिन लोगों को गैस, इरिटेबल बाउल सिंड्रोम या अन्य दूसरी पाचन समस्याएं हैं, तो ऐसे में पीनट बटर का सेवन करने से समस्या और भी बढ़ सकती है। गैस, ब्लोटिंग और पेट दर्द हो सकता है।

हाई ब्लड प्रेशर वाले मरीज
पीनट बटर में सोडियम की मात्रा अधिक हो सकती है, जो हाई ब्लड प्रेशर वाले लोगों के लिए हानिकारक है। सोडियम की अधिकता से ब्लड प्रेशर को बढ़ा सकती है, जिससे हृदय संबंधी समस्याएं हो सकती हैं।

किडनी और हाई कोलेस्ट्रॉल वाले
किडनी की समस्या वाले पोटेशियम और फास्फोरस को कम मात्रा में सेवन करना चाहिए। पीनट बटर में इन दोनों पोषक तत्वों की मात्रा अधिक होती है, जो किडनी के लिए नुकसानदायक है। पीनट बटर में कैलोरी और फैट की मात्रा उच्च होती है। जिस कारण इसका अत्यधिक सेवन आपके कैलोरी इनटेक को बढ़ा सकता है और कोलेस्ट्रॉल का बढ़ने का रिस्क भी हो जाता है।

दिमाग के जंक लगे पुर्जे चमका देंगी ये जड़ी बूटी

एक अध्ययन के अनुसार, ऐसी कई ऐसी जड़ी बूटियां मौजूद हैं जिनके इस्तेमाल से कई गंभीर रोगों का इलाज किया जा सकता है। इससे ना सिर्फ शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहता है बल्कि यह हमारे मेंटल हेल्थ के लिए भी बहुत ही फायदेमंद होते हैं।
काम का दबाव, स्ट्रेस, खान पान में गड़बड़ी आदि के कारण सेहत से जुड़ी कई गंभीर समस्याएं हो जाती है। खराब स्वास्थ्य का असर हमारी मेंटल हेल्थ पर भी पड़ता है। ऐसे में यदि समय रहते इसका इलाज ना किया जाए तो भरी जवानी में ही हमारा दिमाग कमजोर हो जाता है। यहां हम आपको 5 ऐसी जड़ी बूटियों के बारे में बताएंगे जिनके उपयोग से आपकी ब्रेन हेल्थ अच्छी रहेगी और आपकी बुद्धि भी तेज होगी।

दिमाग तेज करने का घरेलू नुस्खा है ब्राह्मी
ब्राह्मी को सेंटेला एशियाटिक और बकोपा मोनेरी के नाम से भी जाना जाता है। ब्राह्मी की सेवन से दिमाग तेज होता है बल्कि यह जड़ी बूटी कई गंभीर बीमारियों से भी बचाव का काम करती है। सोचने समझने की शक्ति को बेहतर बनाने के साथ यह कॉर्टिसोल के लेवल को कम करती है। कॉर्टिसोल तनाव हार्मोन होता है। यह बॉडी में हैप्पी हार्मोन यानी सेरोटोनिन को बढ़ावा देती है। इसका सेवन कई अलग अलग तरीके से किया जा सकता है। आप इसे कैप्सूल, पाउडर या चाय के रूप में ले सकते हैं।

याददाश्त पक्की कर देगी अश्वगंधा
अश्वगंधा के कई चमत्कारी फायदे होते हैं। यह एक एडाप्टोजेनिक जड़ी बूटी है जो चिंता और तनाव को कम करने का काम करती

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

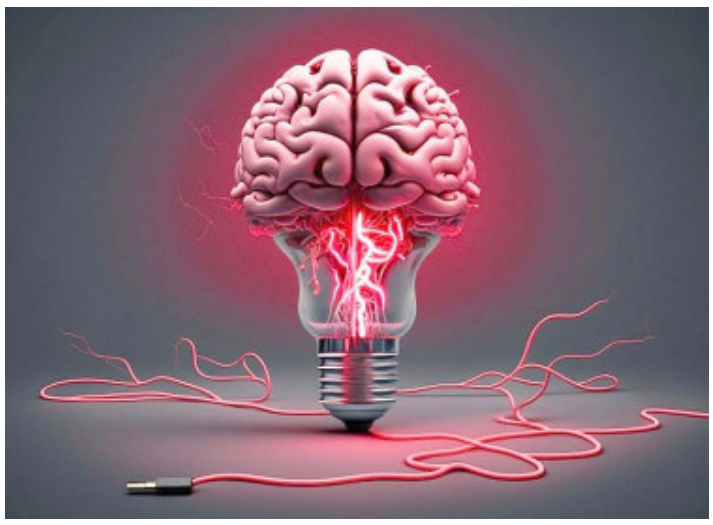

है। इससे दिमाग शांत रहता है और सोचने समझने की शक्ति बेहतर होती है। अश्वगंधा की गोली और पाउडर आसानी से दवा की दुकान पर मिल जाती है। रात को सोने से लगभग आध ो घंटे पहले अश्वगंधा की एक गोली को गुनगुने दूध के साथ आप ले सकते हैं। इसके अलावा 1ध्4 अश्वगंधा पाउडर को गुनगुने पानी के साथ भी लिया जा सकता है। आप चाहें तो इसे सौंफ और अजवाइन की चाय में भी मिलाकर पी सकते हैं।

ब्रेन के लिए पावरहाउस है हल्दी
हल्दी में करक्यूमिन नामक एक्टिव कंपाउंड होता है जिसमें एंटीइन्फ्लेमेटरी और एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं। इससे कई बीमारी और दिमागी विकारों से बचाव किया जा सकता है। यह सोचने समझने की क्षमता को बढ़ाता है और बुद्धि को भी तेज करने का काम करता है। हल्दी का सेवन कई तरीकों से किया जा सकता है। आप चाहें तो हल्दी वाला दूध या हल्दी वाली चाय भी पी सकते हैं।

गोटू कोला और सेंटेला एशियाटिका
गोटू कोला को सेंटेला एशियाटिका भी कहा जाता है। यह बहुत ही शक्तिशाली जड़ी बूटी है जो याददाश्त को तेज करने का काम करती है। यह दिमाग में ब्लड फ्लो को बढ़ता है। इससे ब्रेन पावर बढ़ता है और हम जल्दी सीखने और समझने लगते हैं। गोटू कोला का सेवन आप चाय के रूप में कर सकते हैं। इसके कैप्सूल भी बाजार में उपलब्ध हैं। आप चाहें तो इसके पत्तों का सलाद बनाकर खा सकते हैं या फिर सूप के रूप में भी अपने डाइट में शामिल कर सकते हैं।

जिन्कगो बिलोबा है दिमाग तेज करने की दवा
जिन्कगो बिलोबा को मैडेन हेयर ट्री भी कहते हैं। यह ब्रेन में ब्लड फ्लो को बढ़ाने का काम करता है। सदियों से पारंपरिक चीनी चिकित्सा का भी हिस्सा रहा है। इसके पत्तियों का इस्तेमाल दिमाग और रक्त संचार से जुड़ी बीमारियों के लिए किया जाता है। बढ़ती उम्र के लोगों के लिए यह विशेष रूप से बहुत ही फायदेमंद होता है। इसके एंटीऑक्सीडेंट प्रॉपर्टीज ब्रेन सेल्स को डैमेज होने से भी बचते हैं। जिन्कगो बिलोबा के कैप्सूल और टैबलेट दोनों ही उपलब्ध हैं। नियमित रूप से इसका सेवन करने से व्यक्ति मानसिक रूप से मजबूत रहता है।

न मोटापा, न डायबिटीज, नहीं खाएंगे तो शरीर का ढहना पक्का

चीनी को जहर की तरह माना जाता है। एक्सपर्ट कहते हैं कि इसका सेवन मोटापा, डायबिटीज, कैंसर, हार्ट डिजीज का कारण बन सकता है। लेकिन क्या आप चीनी खाने का बेस्ट टाइम जानते हैं। इस वक्त शुगर लेने से न आपको डायबिटीज होगी और न कोई बीमारी का खतरा होगा। सबसे खास बात यह है कि अगर आप इस टाइम ग्लूकोज नहीं लेंगे तो दिक्कत हो जाएगी। शुगर कम होने पर क्या खाएं? हाइपोग्लाइसेमिया चीनी खाने का एकदम सही वक्त है। यह ऐसी कंडीशन है जिसमें आपका ब्लड शुगर जरूरत से कम हो जाता है। इसके कुछ संकेत होते हैं। इनके दिखने पर तुरंत चीनी की फंकी मार लेनी चाहिए। हाइपोग्लाइसेमिया के शिकार लोगों को ब्लड शुगर कम करने वाली चीजों से भी दूर रहना चाहिए। अगर आपको इनमें से कोई भी दिक्कत हो रही है तो खून में ग्लूकोज की कमी हो सकती है। यह चीनी खाने का बिल्कुल सही वक्त है। इस स्थिति में चीनी आपकी जान बचा सकती है। इसकी जगह आप कार्बोहाइड्रेट्स का सेवन भी कर सकते हैं। क्लीवलैंड क्लिनिक के मुताबिक हाइपोग्लाइसेमिया जानलेवा स्थिति है। इसमें तुरंत शुगर या कार्बोहाइड्रेट्स का सेवन करना चाहिए। खून में शुगर की कमी खतरनाक होती है। यह डायबिटीज के मरीजों को भी हो सकती है। छप्क्ज्ञ के मुताबिक ब्लड शुगर का लेवल 70mg/dL के नीचे नहीं जाने देना चाहिए। अगर ऐसा है तो तुरंत मीठी चीजों का सेवन करें।

क्या जवानी में भी गीला कर रहे बिस्तर? हो जाएं सतर्क

बेड वेटिंग की समस्या बच्चों में सामान्य होती है, लेकिन जब बड़े बिस्तर गिला करने लगे तो यह सामान्य नहीं होता है बल्कि यह किसी बीमारी का संकेत होता है। जानकारों के अनुसार यह समस्या महिलाओं की तुलना में पुरुषों में ज्यादा होती है। हालांकि इस बीमारी का इलाज भी संभव है। यदि कोई वयस्क रात के समय बिस्तर गिला करता है तो मेडिकल भाषा में इसे नॉकटर्नल एन्यूरेसिस कहते हैं। यदि जागते हुए भी पेशाब निकल जाए तो उसे यूरीनरी इन्कॉन्टिनेंस कहते हैं। बड़ी उम्र में अगर किसी को रात को बिस्तर पर पेशाब हो जाए, तो जाहिर है यह शर्मिंदगी की वजह बन जाता है। एक रिपोर्ट के अनुसार, 100 में से एक व्यक्ति को यह समस्या हो सकती है। अगर आप या आपके किसी जानने वाले को ऐसी बीमारी है, तो इस आर्टिकल में हम आपको इससे जुड़ी सारी जानकारियां देंगे, साथ ही इसका इलाज भी आपको बताएंगे। व्यसकों में एन्यूरेसिस की समस्या के कई कारण हो सकते हैं। इसकी वजह कई तरह की बीमारियां भी हो सकती हैं जैसे यूरिनरी ट्रैक्ट इनफेक्शन, मूत्राशय की पथरी, मूत्राशय या प्रोस्टेट ट्यूमर, डायबिटीज आदि।

इन सुपरफूड का सेवन अंग–अंग में भर देगा ताकत

अधिक वेट लॉस करने के बाद अक्सर लोग शरीर में कमजोरी महसूस करते हैं और जो लोग केवल डाइटिंग से वजन कम करते हैं, उनमें ऊर्जा की कमी भी देखी जा सकती है। ऐसा होना स्वाभाविक है, जब बहुत ज्यादा लो कैलोरी डाइट लेते हैं, तो आपके शरीर में आवश्यक पोषक तत्वों की कमी पूरी नहीं हो पाती है। जिसकी वजह से कमजोरी आ जाती है। इस कमजोरी का पता शुरुआत में नहीं लगता है। लेकिन बाद में धीरे–धीरे पता चलता है। एक हेल्दी वेट लॉस के लिए आप खानपान का विशेष ध्यान रखें। यदि आपको अधिक वजन कम करने के बाद कमजोरी आ गई है, तो कुछ ऐसे सुपरफूड्स का सेवन करें, जिससे आपके शरीर की ताकत और ऊर्जा को वापस आ जाए। ये सुपरफूड्स आवश्यक पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं, जो शरीर के अंगों को मजबूती प्रदान करते हैं। पालक शरीर में खून और ताकत दोनों को बढ़ाता है। इसमें आयरन, कैल्शियम, विटामिन के, सी, ए और फोलेट पाया जाता है। यह हड्डियों और मांसपेशियों को मजबूत बनाता है और शरीर की ऊर्जा बढ़ती है। शरीर में ताकत बढ़ाने के लिए आप इसका सेवन सलाद, सूप, स्मूदी के रूप में भी कर सकते हैं। शरीर की ताकत बढ़ाने के लिए सूखे मेवे और कुछ सीडस भी फायदेमंद होती हैं।

टूट कर फिर चैंपियन बने मोहम्मद शमी

शमी के दोस्त ने बताया कि कैसे वह मुश्किल दौर से निकलकर खुद को संभाला। इन सभी मुद्दों को लेकर शमी ने कहा था कि, श्ये इस बात पर निर्भर करता है कि आप किस चीज को ज्यादा महत्व देते हैं और दूसरे इंसान कितना सही बोल रहा है। जब आपको पता हो कि दूसरे इंसान की बातें गलत हैं और आपके लिए महत्वपूर्ण नहीं हैं, तो आपको अपने लक्ष्यों से नहीं हटना चाहिए। अगर मैं मोहम्मद शमी नहीं होता, तो किसी को मेरी परवाह नहीं होती और न ही मीडिया को दिलचस्पी होती। तो फिर मुझे वो चीज क्यों छोड़नी चाहिए जिसने मुझे शमी बनाया है। इसलिए लड़ते रहना जरूरी है।

फिक्सिंग के आरोप से टूट गए थे मोहम्मद शमी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी एड़ी की सर्जरी के बाद वापसी के लिए तैयार हैं। शमी पिछले हुए वनडे विश्व कप के दौरान चोटिल हुए थे। शमी ने इस विश्व कप में सिर्फ 7 मैच में 24 विकेट अपने नाम किए, लेकिन चोट ने कुछ समय के लिए उनके रफ्तार को थाम लिया। पिछले कुछ सालों से शमी भारतीय गेंदबाजी के स्तंभ बने हुए हैं। हालांकि, शमी जो सफलता मिली है उसके लिए उन्होंने कई बड़े त्याग किए। मानसिक रूप से परेशान रहे थे। हालात ऐसे हो गए थे कि शमी 19वीं मंजिल से कूद कर अपनी जान तक लेना चाहते थे। दरअसल ये घटना तब की है जब शमी और उनकी वाइफ हसीन जहां के बीच बहुत लड़ाई–झगड़े हुए। हसीन ने शमी पर मारपीट का केस दर्ज कराया था। उन्होंने ये भी आरोप लगाया कि शमी ने एक पाकिस्तानी महिला से पैसे लेकर मैच फिक्सिंग की थी। हालांकि, बाद में पुलिस ने शमी को इन आरोपों से क्लीन चिट दे दी थी, लेकिन उनके दोस्त उमेश कुमार ने अब एक हैरान करने वाला खुलासा किया है। जब पाकिस्तान से जुड़े मैच फिक्सिंग के आरोप लगे और उनसे पूछताछ हुई तो वो टूट गए। उन्होंने कहा कि मैं सब कुछ सहन कर सकता हूं, लेकिन देश से धोखा देने का आरोप नहीं।

सूर्यकुमार यादव के कप्तान बनने से खुश है पूरी टीम

क्रिकेट

अक्षर पटेल ने सूर्यकुमार यादव को बताया बॉलिंग कप्तान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। भारतीय टीम और श्रीलंका के बीच तीन मैचों की टी20 सीरीज का आगाज 27 जुलाई से होना है। इस सीरीज के लिए सूर्यकुमार यादव को भारतीय टी20 टीम का कप्तान बनाया है। हार्दिक पांड्या की जगह सूर्या को टी20 टीम की कमान सौंपी गई।

हार्दिक को कप्तानी नहीं दिए जाने को लेकर काफी सवाल भी उठे, लेकिन सूर्या को कप्तानी जिम्मेदारी मिलने से टीम इंडिया के सभी खिलाड़ी खुश है, इसका खुलासा स्टार ऑलराउंडर अक्षर पटेल ने किया है। अक्षर ने सूर्या को भारतीय टीम के नए कप्तान बनाए जाने को लेकर सपोर्ट किया और उन्हें बॉलर्स का कप्तान कहा।

दरअसल, अक्षर पटेल ने ईएसपीएनक्रिकइन्फो से बातचीत में कहा कि मैंने सूर्यकुमार के साथ

काफी समय बिताया है। सूर्या भाई एक खुशमिजाज इंसान हैं। वो माहौल को जीवंत रखते हैं, मिमिक्री करना और ऐसी ही मजेदार चीजें करना पसंद करते हैं। मुझे पता है कि वो माहौल को शांत रखेंगे।

बता दें कि अक्षर पटेल पिछले साल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू सरजमीं पर खेली गई पांच मैचों की टी20 सीरीज में सूर्या की कप्तानी वाली टीम का हिस्सा थे। उन्होंने कहा कि सूर्या गेंदबाजों को काफी आजादी देते हैं और उन्हें उम्मीद है कि अब जब सूर्या ने पूर्णकालिक टी20 कप्तानी संभाली है तो इसमें कोई बदलाव नहीं आएगा।

अक्षर ने आगे कहा कि मैंने हाल ही में पांच मैचों की एक टी20 सीरीज खेली थी जब वह कप्तान थे। मैं जानता हूं कि वह एक गेंदबाज के कप्तान हैं। वह गेंदबाजों को वो फील्ड देते हैं जो वे मांगते हैं। मेरे साथ भी ऐसा ही था। मुझे नहीं लगता कि बहुत ज्यादा बदलाव होगा। अब हम उनकी कप्तानी में खेलते हुए उनकी मानसिकता के बारे में जानेंगे। आप एक दौरे से किसी की कप्तानी का अंदाजा नहीं लगा सकते। जब हम और ज्यादा खेलेंगे तो हमें उनकी कप्तानी शैली के बारे में और पता चलेगा।

मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन के सबसे युवा अध्यक्ष बने अजिंक्य नाइक

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। 37 साल की उम्र में अजिंक्य नाइक को मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन का अध्यक्ष बनाया गया। चुनाव में मौजूदा सेक्रेटेरी अजिंक्य नाइक ने संजय नाइक को हराया। अजिंक्य को 221 तो विरोधी उम्मीदवार संजय नाइक को 114 वोट मिले। अजिंक्य को इस तरह एकतरफा 107 वोट से जीत मिली। अजिंक्य अमोल कोले के सेक्रेटरी के तौर पर काम कर रहे थे, लेकिन पिछले महीने अचानक अमोल के कार्डियक अरेस्ट से निधन होने के बाद से उनकी जगह खाली हो गई थी।

दरअसल, अजिंक्ये पिछले दो साल से मुंबई क्रिकेट एसोसिशन से जुड़े हुए हैं और सचिव पद पर काम करते है। अजिंक्य अमोल

कहा– अब ज्यादा क्रिकेटर्स को मिलेगी नौकरी

काले के बेहद करीबी थे और अब उनके निधन के बाद अजिंक्य को उनकी पद संभालने की जिम्मेदारी मिल गई है। डब। का प्रेसिडेंट बनने के बाद अंजिक्य ने कहा कि ये जीत मुंबई मैदान की है और क्लब सेक्रेटरी की। मैं काफी समय से कई कमेटी का हिस्सा हूं और मेरी जर्नी एक पेरेमिड की तरह है। नतीजा बिल्कुल मैंने जैसा सोचा था वैसा ही आया।

अजिंक्य ने इस दौरान कहा कि वह कॉर्पोरेट हाउस से क्रिकेटर्स के लिए ज्यादा से ज्यादा जॉब की अप्रोच करेंगे। शहर में जॉब की सुविधा की कमी की समस्या का हल ढूंढना होगा।

अजिंक्य नाइक ने बताया कि

वह इस पद के लिए बिना किसी राजनैतिक और किसी नेता के सपोर्ट के ही उतरे और उन्होंने कहा कि पर्दे के पीछे कुछ ऐसे लोग है, जिन्होंने मुझे डब। का सबसे युवा अध्यक्ष बनने में मदद की। वहां बहुत सारी अदृश्य शक्तियां थीं और धीरे–धीरे आपको पता चल जाएगा कि वे कौन थीं। हमारे गुरु शरद पवार सर हैं। हम काफी समय से उनका अनुसरण कर रहे हैं।

गुजरात टाइटंस को लगने वाला है एक बड़ा झटका

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के चैंपियन कोच आशीष नेहरा गुजरात टाइटंस को बड़ा झटका देने की तैयारी में हैं। माना जा रहा है कि नेहरा आगामी आईपीएल में सीजन से पहले टीम का साथ छोड़ सकते हैं। उनके साथ–साथ विक्रम सोलंकी भी टीम से अलग होने की तैयारी में है। आशीष नेहरा और विक्रम सोलंकी दोनों गुजरात के साथ डेब्यू सीजन से ही टीम के साथ है। गुजरात ने आईपीएल के अपने पहले ही सीजन में खिताबी जीत हासिल कर सबको चौंका दिया था। इस कामयाबी के पीछे टीम के मुख्य कोच आशीष नेहरा का अहम योगदान रहा था। ऐसे में अगर नेहरा टीम का साथ छोड़ते हैं तो यह गुजरात के लिए किसी बड़े झटके से कम नहीं होगा है। नेहरा से पहले टीम के पूर्व कप्तान हार्दिक पंड्या भी इस टीम से अलग हो गए थे। इसके कारण आईपीएल के 17 वें सीजन में गुजरात का प्रदर्शन काफी खराब रहा था।

न्यूज डायरी

भारत के पाकिस्तान में नहीं खेलने की स्थिति में आईसीसी ने की तैयारी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कराची। पीसीबी ने अगले वर्ष होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को अपनी टीम पाकिस्तान भेजने के लिए मनाने का काम आईसीसी पर छोड़ा है। हाल ही में कोलंबो में हुई आईसीसी की बैठक में चैंपियंस ट्रॉफी के बजट को मंजूरी दी गई है। आईसीसी ने अपने टूर्नामेंट बजट में पूरक (सप्लीमेंटरी) खर्चे को किसी भी स्थिति से निपटने के लिए रखा है और इसमें भारतीय टीम के पाकिस्तान से बाहर खेलने की संभावना भी शामिल है। बीसीसीआई ने हमेशा ही कहा है कि पाकिस्तान में क्रिकेट खेलना पूरी तरह से भारत सरकार का निर्णय है। इससे पहले भारत ने पाकिस्तान की मेजबानी में होने वाले एशिया कप में भी टीम भेजने से इन्कार कर दिया था। इसके बाद ये टूर्नामेंट हाइब्रिड मॉडल के आधार पर श्रीलंका में आयोजित किया गया था। पीसीबी ने चैंपियंस ट्रॉफी के मसौदा कार्यक्रम में भारत के सभी मैचों की मेजबानी लाहौर में करने का सुझाव दिया है, जिसमें भारत के क्वालीफाई करने पर सेमीफाइनल और फाइनल भी शामिल है। पीसीबी ने अब टूर्नामेंट के कार्यक्रम को अंतिम रूप देने और घोषित करने तथा बीसीसीआई से यह पुष्टि प्राप्त करने का काम आईसीसी पर छोड़ दिया है कि भारतीय टीम पाकिस्तान की यात्रा करेगी या नहीं।

राहुल द्रविड ने गाली पर दी थी पलटवार करने की सलाह

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारतीय टीम ने साउथ अफ्रीका को हराकर 17 साल के लंबे इंतजार के बाद टी20 विश्व कप 2024 का खिताब अपने नाम किया। इस टूर्नामेंट के साथ ही द्रविड़ का बतौर कोच कार्यकाल भी समाप्त हुआ। द्रविड़ की जगह गौतम गंभीर भारतीय टीम के नए हेड कोच बने। वहीं, राहुल द्रविड़ की कोचिंग में कई भारतीय खिलाड़ियों ने खेला, जिसमें से एक अभिषेक शर्मा भी रहे। हाल ही में अभिषेक शर्मा ने पूर्व भारतीय कोच राहुल द्रविड़ से जुड़े पुराने किस्सों का जिक्र किया। उन्होंने एक ऐसा किस्सा बताया जो बेहद ही कम लोगों को पता है। अभिषेक शर्मा ने अंडर–19 एशिया कप 2018 से जुड़ा एक किस्सा बताया, जिसमें द्रविड़ ने ड्रेसिंग रूम में भारतीय प्लेयर्स को जो सलाह दी थी, उससे सुनकर वह खुद हैरान रह गए थे। दरअसल, आईपीएल 2024 के बाद जिम्बाब्वे दौरे पर बल्ले से धूम मतचाने वाले अभिषेक शर्मा ने एक पॉडकास्ट में राहुल द्रविड़ से जुड़ा एक किस्सा सुनाया, जिसमें उन्होंने कहा कि जब हम अंडर–19 एशिया कप में बांग्लादेश से हार गए थे, जब हमने विश्व कप में उनका सामना किया तो राहुल द्रविड़ ने ड्रेसिंग रूम में हमसे कहा था कि अगर वे गाली देंगे तो तुम भी गाली देना। किसी ने भी उनसे ऐसा कहने की उम्मीद नहीं की थी। हम उस मैच के लिए काफी उत्साहित थे। द्रविड़ का कहना था कि कोई अगर अपमानित करें या गलत व्यवहार करें , तो उसका जवाब देना, क्योंकि अपने आत्म–सम्मान की रक्षा करना जरूरी है।

न्यूजीलैंड को अफगानिस्तान के साथ भारत में क्यों खेलनी पड़ रही है टेस्ट सीरीज

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। आम तौर पर आपने देखा होगा कि जब दो टीमें टेस्ट मैच या टेस्ट सीरीज खेलती हैं तो मैदान किसी न किसी एक टीम का होम ग्राउंड होता है, सिवाए आईसीसी टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल को छोड़कर। मसलन, अगर भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टेस्ट सीरीज होगी तो ये सीरीज या तो भारत में खेली जाएगी या ऑस्ट्रेलिया। लेकिन अफगानिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच खेले जाने वाले इकलौते टेस्ट मैच में ऐसा नहीं है। ये मैच न तो अफगानिस्तान में खेला जाएगा और न ही न्यूजीलैंड। ये मैच खेला जाएगा भारत में। ये टेस्ट मैच नौ से 13 सितंबर तक खेला जाएगा। अफगानिस्तान और न्यूजीलैंड की टीमें भारत में टेस्ट मैच क्यों खेल रहीय हैं? ऐसी क्या वजह है कि अफगानिस्तान को न्यूजीलैंड की मेजबानी भारत में करनी पड़ रही है है? अफगानिस्तान वो देश है जो बंदूकों, तोपों के साए में पनपा है। युद्ध और आतंकवाद की मार इस देश ने झेली है। इसलिए जब इस देश में क्रिकेट पनप रहा था तब इस देश के पास अच्छे मैदान नहीं थे। ऐसे में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने इस देश की मदद की और अपने कुछ मैदान इस टीम को दे दिए।

पेज थ्री देहरादून

हमारा दून

देहरादून, गुरूवार, 25 जुलाई 2024

सचिवालय में शहरी विकास की राज्य स्तरीय अनुश्रवण समिति की बैठक करते हुए सीएस।

संक्षिप्त समाचार

आपदा प्रभावित परिवार के लोगों को जल्द मिले मुआवजाः राजकुमार

संवाददाता देहरादून। बुधवार तड़के मोहनी रोड, भगत सिंह कालोनी, एमडीडीए कालोनी समेत जिन इलाकों में भी बारिश से नुकसान हुआ है। वहां जिला प्रशासन के अधिकारी निरीक्षण कर नुकसान का जायजा लें और प्रभावित परिवारों को जल्द मुआवजा दे। बुधवार को पूर्व विधायक राजकुमार ने यह मांग करते हुए कहा कि सुबह के समय नगर निगम के आपदा कंट्रोल रूम में भी फोन बंद था। हालांकि निगम के कर्मचारियों का कहना है कि थोड़ी देर के लिए तकनीकी खराबी के कारण ऐसा हुआ होगा। पूर्व विधायक ने पुश्तों का निर्माण करवाने की मांग की है।

नगर निगम ने तीस जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचाई मदद

संवाददाता देहरादून। नगर निगम की ओर से रिड्यूस, रियूज रिसाइकिल सेंटरों के माध्यम से लोगों की ओर से दिए जा रहे कपड़े व अन्य सामान एकत्रित कर जरूरत मंद लोगों तक पहुंचाया जा रहा है। बुधवार को सहायक नगर आयुक्त एसपी जोशी, हर्रावाला केंद्र के प्रभारी पवन थापा ने नत्थनपुर प्रथम वार्ड और आसपास के क्षेत्र में तीस परिवारों को सामान वितरित किया। नगर आयुक्त गौरव कुमार ने टीम के कार्य की सराहना करते हुए निरंतर अभियान जारी रखने के निर्देश दिए हैं। इस दौरान हर्रावाला जोनल प्रभारी कमल रावत, अभिषेक, विजेंद्र रावत, लता कुमारी, रिंकू, प्रदीप आदि मौजूद थे।

थापर विवि ने जीता प्रतिष्ठित रिबा अंतरराष्ट्रीय उत्कृष्टता पुरस्कार

संवाददाता देहरादून। थापर इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संस्थान को यह घोषणा करते हुए गर्व है कि उसकी थापर विश्वविद्यालय लर्निंग लेबोरेटरी को प्रतिष्ठित रॉयल इंस्टीट्यूट ऑफ ब्रिटिश आर्किटेक्ट्स (रिबा) अंतरराष्ट्रीय उत्कृष्टता पुरस्कार 2024 से सम्मानित किया गया है। एमसीएम और डिजाइनप्लस एसोसिएट्स सर्विसेज के सहयोग से डिजाइन की गई यह अत्याधुनिक सुविधा अपनी आकर्षक ज्यामितीय वास्तुकला और नवीन डिजाइन के लिए मान्यता प्राप्त हुई है।

इन्द्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स के विशेषज्ञों ने सम्मेलन किया आयोजित

संवाददाता देहरादून। देश भर के लोगों को आधुनिक उपचार उपलब्ध कराने की अपोलो की प्रतिबद्धता के तहत इन्द्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स नई दिल्ली ने सहारनपुर में एक सम्मेलन का आयोजन किया, जहां प्लास्टिक सर्जरी की आधुनिक तकनीकों और आर्थोपेडिक्स में हुई प्रगति पर रोशनी डाली गई।

सरकारी विद्यालयों में स्थापित 442 स्मार्ट क्लास रूम का सीएम ने किया शुभारंभ

लोकार्पण

■ एससीईआरटी के नवनिर्मित भवन का मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने किया लोकार्पण

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को ननूरखेड़ा, देहरादून में आयोजित कार्यक्रम में शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, उत्तराखण्ड के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने पं. दीन दयाल उपाध्याय राज्य शैक्षिक उत्कृष्टता पुरस्कार के तहत उत्तराखण्ड विद्यालयी शिक्षा परिषद द्वारा संचालित वर्ष 2023 एवं 2024 हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाले तीन–तीन स्कूलों, हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट परीक्षाओं में प्रथम 10 स्थान प्राप्त करने वाले छात्र–छात्राओं को पुरस्कृत भी किया। प्रदेश के सरकारी विद्यालयों में सी.एस.आर. के सहयोग से स्थापित 442 स्मार्ट क्लास रूम का शुभारंभ भी मुख्यमंत्री द्वारा किया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का दिन राज्य की शिक्षा व्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण दिन है। शिक्षा को बढ़ावा देने का कार्य करने वाले लोगों को सम्मानित करना उनके लिए सौभाग्य की बात है। विद्यार्थियों ने अपनी मेहनत, लगन, समर्पण के बल पर उत्कृष्ट परिणाम हासिल किए हैं। ये पुरस्कार विद्यार्थियों एवं अध्यापकों को आगे भी इसी मनोयोग से प्रयास करने के लिए प्रेरित करेंगे और अन्य लोगों के लिए भी प्रेरणादायक होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि एससीईआरटी भवन का निर्माण कार्य 02 साल में पूर्ण करने का शिक्षा विभाग को लक्ष्य दिया गया था। विभाग द्वारा निर्धारित समयावधि में 29 करोड़ 25 लाख की धनराशि से भव्य भवन का निर्माण किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि एससीईआरटी के भवन निर्माण के साथ ही इसकी गुणवत्ता भी अत्यधिक मायने रखती है। राज्य सरकार का स्पष्ट ध्येय है कि किसी भी तरह के निर्माण कार्य में क्वालिटी के साथ कोई समझौता नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा सीएसआर के अंतर्गत बनी 442 स्मार्ट क्लास के शुरू होने से सरकारी विद्यालयों में पठन–पाठन की व्यवस्था में अधिक गुणवत्ता आएगी। राज्य सरकार राज्य के 840 विद्यालयों में हाइब्रिड मोड में वर्चुअल एवं स्मार्ट क्लास की स्थापना पर भी कार्य कर रही है। कक्षा 1 से 12 तक के बच्चों को निशुल्क पाठ्य पुस्तकें एवं कक्षा 1 से 8 तक के बच्चों को निशुल्क पाठ्य पुस्तकों के साथ ही जूते और बैग भी प्रदान किए जा रहे हैं। कक्षा 9 में प्रवेश करने वाली बालिकाओं के लिए साइकिल योजना एवं मेधावी छात्रों के लिए छात्रवृत्ति योजना भी लागू की गई है।

विधायक उमेश शर्मा काऊ ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में गुणात्मक सुधार के लिए राज्य सरकार द्वारा निरन्तर प्रयास किये जा रहे हैं। महानिदेशक विद्यालयी शिक्षा श्री बंशीधर तिवारी ने शिक्षा विभाग को प्रेरणा और नई दिशा प्रदान करने के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

राज्य में अध्यापकों के ट्रांसफर में पारदर्शिता आई : शिक्षा मंत्री

शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि इस वर्ष उत्तराखंड बोर्ड का रिजल्ट 30 अप्रैल को घोषित कर दिया था। जिससे बच्चों को उच्च शिक्षा हेतु अच्छे संस्थानों में जाने का मौका मिलता है। आगामी शिक्षण सत्र के लिए रिजल्ट 20 अप्रैल तक घोषित हो जाएगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में राज्य में अध्यापकों के ट्रांसफर में पारदर्शिता आई है। ट्रांसफर में काउंसलिंग व्यवस्था की शुरुआत की गई है। अब तक 5000 अध्यापकों के ट्रांसफर हो चुके हैं। एससीईआरटी और डायट को और अधिक सुदृढ़ बनाया जा रहा है। आगामी वर्ष से टीचरों के ट्रांसफर भी ऑनलाइन व्यवस्था से होने लगेंगे। शिक्षा मंत्री ने कहा कि जिन विद्यालयों में 70 प्रतिशत से कम अध्यापक होंगे वहां नए अध्यापकों के जाने तक अध्यापक रिलीव नहीं होंगे। राज्य सरकार छात्रों को किताबें, कपड़े, बैग, जूते मुफ्त में देने का कार्य कर रही है। छात्रों को छात्रवृत्ति और निःशुल्क नोटबुक भी उपलब्ध कराई जा रही है।

मुख्यमंत्री धामी ने किए बाबा केदारनाथ के दर्शन

समीक्षा

■केदारनाथ धाम, पुनर्निर्माण कार्यों की प्रगति की ली जानकारी

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी बुधवार को बाबा केदारनाथ के दर्शनों को श्री केदारनाथ धाम पहुंचे। मुख्यमंत्री ने बाबा केदारनाथ का रुद्राभिषेक एवं विशेष पूजा अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली एवं विश्व कल्याण की कामना की। इसके बाद उन्होंने केदारपुरी में चल रहे पुनर्निर्माण कार्यों की समीक्षा की।

एक दिवसीय दौरे पर बाबा केदारनाथ धाम के दर्शनों को पहुंचे मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी का कमिश्नर गढ़वाल विनय शंकर पांडे, आईजी पुलिस गढ़वाल करन सिंह नगन्याल, जिलाधिकारी डॉ सौरभ गहरवार एवं पुलिस अधीक्षक डॉ विशाखा ने वीआईपी हैलीपैड पर उनका स्वागत किया। इसके बाद, मुख्यमंत्री तीर्थ पुरोहित समाज एवं मुख्य पुजारी से मिले।

मुख्यमंत्री ने बाबा केदारनाथ मंदिर में प्रवेश कर विशेष पूजा अर्चना एवं रुद्राभिषेक कर संपूर्ण विश्व एवं मानवता के कल्याण की कामना की। इस दौरान उन्होंने उत्तराखंड के सतत विकास के लिए भी बाबा केदार से आशीर्वाद मांगा। करीब 20 मिनट पूजा के बाद मुख्यमंत्री ने धाम में दर्शन करने पहुंचे श्रद्धालुओं एवं स्थानीय लोगों का अभिवादन कर श्रावण मास की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने धाम के मुख्य पुजारी शिव शंकर लिंग का आशीर्वाद प्राप्त किया, साथ ही तीर्थ पुरोहितों के साथ धाम में चल रहे निर्माण एवं अन्य कार्यों के संबंध में चर्चा कर सुझाव मांगे। उन्होंने केदारपुरी में चल रहे पुनर्निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए निर्माण एवं पुनर्निर्माण कार्यों में तेजी लाने एवं गुणवत्ता का ध्यान रखते हुए समयबद्धता के साथ सभी कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

नियमितीकरण होने तक जारी रहेगा पर्यटन कर्मियों का आंदोलन

संवाददाता देहरादून। पर्यटन निगमों के संविदा कर्मचारियों के नियमितीकरण होने तक संयुक्त कर्मचारी महासंघ कुमाऊं गढ़वाल मंडल विकास निगम का अनिश्चितकालीन आंदोलन जारी रहेगा। धरने के 22 वें दिन महासंघ अध्यक्ष दिनेश गुरुरानी ने कहा कि सरकार को सभी संविदा कर्मचारियों को नियमित करना ही होगा। इस बार आंदोलन नियमितीकरण पूरा होने के बाद ही समाप्त होगा। बुधवार को एमडी जीएमवीएन विनोद गोस्वामी से हुई वार्ता में बताया गया कि नियमितीकरण पर शासन स्तर से फैसला होना है। उन्होंने धरना एकता विहार शिफ्ट किए जाने का अनुरोध किया। अब आंदोलन वहीं चलेगा। धरने में जोगिंदर लाल, अनिल जोशियाल, जयपाल बिष्ट, श्यामलाल सेंजवाल, संजय भट्ट, कंचन चंदोला, रमेश कपकोटी, गौतम कुमार, पीतांबर दुमका, वेद प्रकाश, पदम, त्रिभुवन पुनेठा, महेश लाल आदि मौजूद रहे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
प्रदीप चौधरी
द्वारा
एल.के प्रिंटर्स,74/9,आराघर,देहरादून
से मुद्रित
व जाखन जोहड़ी रोड,
पी.ओ–राजपुर, देहरादून से प्रकाशित।
संपादकः प्रदीप चौधरी

सिटी कार्यालयः
शिवम् मार्केट, द्वितीय तल
दर्शनलाल चौक, देहरादून।

(M) 9319700701
pagethreedaily@gmail.com
आर.एन.आई.नं0
UTTHIN\2005\15735
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र देहरादून
ही मान्य होगा।